प्रसारित - आगरा, मथुरा, फिरोजाबाद, अलीगढ़, हाथरस, कासगंज, एटा, मैनपुरी, बुलंदशहर, गाजियाबाद, लखनऊ, कानपुर

गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित

वर्ष - 10 अंक 45, 01 मार्च से 07 मार्च, 2026 | मूल्य- 10 रुपये । पृष्ठ 8 | WWW :morningcity.in

मिडिल ईस्ट फिर जंग की जद में है। अमेरिका-इजरायल ने ईरान पर हमला कर दिया है। ईरान ने भी पलटवार करते हुए कतर-यूएई जैसे देशों में अमेरिकी एयरबेस को निशाना बनाया है। ईरान और यूएस-इजराइल के बीच टकराव पहली बार नहीं है। पहले भी कई बार ये आपस में भिड़ चुके हैं। आइए जानते हैं पहले इनके बीच कितनी बार आमना-सामना हुआ है और हालिया जंग के भारत सहित विश्व पर प्रभाव क्या हो सकते हैं? यह जंग आगे कहां तक जा सकती है?

मिडिल ईस्ट में जंग... टेंशन में दुनिया

पहले भी पांच बार हो चुकी है अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच लड़ाई

भारत सहित दुनियाभर में पड़ेगा असर

वेट-एंड-वॉच मोड पर हैं रूस-चीन और नाटो

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

बार सीधी लड़ाई हुई है। हर बार ईरान को ज्यादा नुकसान हुआ है। ईरान बदला लेता है लेकिन इजरायल-अमेरिका की ताकत ज्यादा साबित होती है। ये जंगें छोटी रही हैं लेकिन हर बार पूरा विश्व टेंशन में आ जाता है। सबसे बड़ी जंग जून 2025 में 12 दिन चली थी।

ऑपरेशन प्रेइंग मैंटिस 1988

1988 में अमेरिका और ईरान के बीच एक छोटी लेकिन बहुत तेज जंग हुई जिसका नाम था ऑपरेशन प्रेइंग मैंटिस। यह जंग सिर्फ एक दिन चली थी। अमेरिका ने बड़ी जीत हासिल की। इस जंग में अमेरिका के सिर्फ 2 सैनिक मारे गए जबकि ईरान के 56। ईरान की पूरी नौसेना का आधा हिस्सा तबाह हो गया। अमेरिका का एक हेलीकॉप्टर भी क्रैश हो गया।

2020 में फिर टकराव

जनवरी 2020 में अमेरिका ने ईरान के बहुत बड़े कमांडर कासिम सुलेमानी को मार दिया। ईरान ने बदला लेने के लिए इराक में अमेरिकी बेस पर 11 मिसाइलें दाग दीं। यह जंग सिर्फ कुछ घंटों और दिनों तक चली। इसमें कोई सैनिक नहीं मरा लेकिन 110 से ज्यादा अमेरिकी सैनिकों को दिमागी चोट लगी।

2025 में 12 दिन संघर्ष

जून 2025 में इजरायल और अमेरिका के साथ ईरान की सबसे बड़ी जंग 13 जून से 24 जून तक करीब 12 दिन चली। इजरायल और अमेरिका ने मिलकर ईरान के तीन परमाणु प्लांट पर हमला किया। इस जंग में ईरान के 1060 से 1190 लोग मारे गए जिनमें 400 से ज्यादा आम नागरिक थे। इजरायल के 28 लोग मारे गए। ईरान के कई परमाणु प्लांट, मिसाइल फैक्ट्री और एयर डिफेंस तबाह हो गए।

2024 की दो छोटी भिड़ंत

अप्रैल 2024 में ईरान ने इजरायल पर 300 से ज्यादा ड्रोन और मिसाइलें दागीं। इजरायल ने 90 प्रतिशत हमले रोक लिए। यह जंग 1-2 दिन चली। अक्टूबर 2024 में फिर ईरान ने 180 मिसाइलें दागीं। इजरायल ने भी ईरान पर हमला किया। यह भी 1-2 दिन की जंग थी।

अब आगे क्या?

ईरान इस तरह दे सकता है दुनिया को टेंशन

ईरान इन अटैक्स के साथ कूटनीतिक तौर पर होर्मुज जलमार्ग को बंद कर सकता है, जहां से दुनिया का लगभग 40 फीसदी तेल आयात होता है। अगर ये रास्ता बंद होता है तो भारत समेत दुनिया भर में कच्चे तेल आपूर्ति की समस्या तो आएगी ही. साथ में इस रास्ते भारत का एक्सपोर्ट भी प्रभावित होगा।

ईरान के समर्थन में रूस और चीन की भूमिका

अमेरिका-इजरायल के खिलाफ ईरान के टकराव में उसके सहयोगी चीन और रूस सीधे तौर पर हस्तक्षेप नहीं करेंगे, इसका सबसे बड़ा कारण यही है कि रूस खुद यूक्रेन से जंग में उलझा है। वहीं चीन इंडो-पैसिफिक प्राथमिकताओं और आर्थिक स्थिरता पर अपना ध्यान लगाए हुए है। हां ये हो सकता है कि वे कूटनीतिक मंचों पर सक्रिय रहें।

ईरान के खिलाफ क्या नाटो देश भी आगे आएंगे?

यह साफ है कि सैन्य ताकत के लिहाज से अमेरिका और इजरायल के सामने ईरान कमजोर ही है। बावजूद इसके अगर ईरान ने साहस दिखाते हुए अमेरिका के किसी सैन्य बेस पर हमला किया तो यह नाटो के नियमानुसार सभी सदस्य देशों पर हमला माना जाएगा। हालांकि नाटो की प्रत्यक्ष भागीदारी कई कारकों पर निर्भर करेगी, हमलों की प्रकृति, कानूनी व्याख्या और सदस्य देशों की राजनीतिक इच्छाशक्ति।

भारत में ये सेक्टर हो सकते हैं प्रभावित

- **एविएशन:** जेट फ्यूल महंगा होने से एयरलाइंस कंपनियों के मार्जिन पर दबाव आ सकता है।
- **पेंट्स और ऑटोमोबाइल:** ये सेक्टर सीधे कच्चे तेल के दाम से जुड़े होते हैं। कच्चे तेल में उछाल इनके लिए बुरा संकेत है।
- **डिफेंस :** ऐसे समय में अक्सर डिफेंस सेक्टर के शेयरों में हलचल देखी जाती है, क्योंकि युद्ध के माहौल में देशों का रक्षा बजट और हथियारों की मांग बढ़ जाती है।

यह करना चाहिए भारतीयों को

युद्ध की खबरें डराती जरूर हैं, लेकिन भारत की अर्थव्यवस्था में अभी भी काफी मजबूती है। क्यू3 जीडीपी के आंकड़े (7.8%) इसके सबूत हैं। अगर आपने बहुत अधिक रिस्क लिया हुआ है, तो उसे संतुलित करें. लेकिन सिर्फ डर के मारे अच्छे स्टॉक्स को बेचने की गलती न करें. अब सबकी नजरें इस बात पर हैं कि ईरान का जवाबी हमला कितना बड़ा होगा और युद्ध कितना लंबा खिंचता है। यह स्थिति अनिश्चितता की है। अगले कुछ दिन ग्लोबल मार्केट्स में हलचल रहेगी। एक समझदार निवेशक के तौर पर, अपनी निवेश रणनीति में अनुशासन रखें।

खाड़ी देशों में 93 लाख से अधिक प्रवासी भारतीय

विशेषज्ञों का कहना है कि अगर यह संघर्ष लंबा खिंचता है तो खाड़ी क्षेत्र में बड़े पैमाने पर अस्थिरता फैल सकती है, जिसका सीधा असर वहां काम कर रहे प्रवासी भारतीयों पर पड़ेगा। ताजा अनुमानों के अनुसार खाड़ी सहयोग परिषद के देशों में लगभग 93 लाख से अधिक भारतीय रह रहे हैं।

तेहरान में हमले के बाद मची अफरा-तफरी, सड़कों पर घबराए हुए लोग।

इंडिगो और एअर इंडिया ने जारी की ट्रैवल एडवाइजरी, कहा- पश्चिम एशिया की स्थिति पर रख रहे नजर

नई दिल्ली। इंडिगो एयरलाइंस ने शनिवार को यात्रियों के लिए परामर्श (एडवाइजरी) जारी किया। इसमें कहा गया कि वह क्षेत्र में बदले बदलते भू-राजनीतिक माहौल के बीच ईरान और उसे हवाई क्षेत्र से जुड़े अपडेट पर नजर बनाए हुए है। इसके अलावा, एअर इंडिया ने भी ट्रैवल एडवाइजरी जारी की है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में इंडिगो ने कहा, 'हम ईरान और उसके हवाई क्षेत्र से जुड़े अपडेट पर करीब से नजर बनाए हुए हैं। हमारे यात्रियों और चालक दल के सदस्यों (क्रू) की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। स्थिति बदलने पर हमारी टीमें किसी जरूरी बदलाव को लागू करने के लिए तैयार हैं।' एयलाइन ने यात्रा से पहले अपनी उड़ान की स्थिति की जांच करने की सलाह दी। इंडिगो ने कहा, यात्रियों को यात्रा से पहले अपनी उड़ान की स्थिति की जांच करने की सलाह दी जाती है। किसी भी प्रभाव की स्थिति में अपडेट पंजीकृत संपर्क विवरण के जरिये तुरंत साझा किए जाएंगे। इंडिगो ने आगे कहा कि वह यात्रियों को लगातार जानकारी देता रहेगा और इस अवधि के दौरान पूरी तरह सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध रहेगा।

होली पर विमानों का किराया आसमान पर, ट्रेनों में सीटों की मारामारी

लखनऊ

होली पर दिल्ली, मुंबई, बंगलुरु, हैदराबाद से लखनऊ आने वाले यात्रियों के सामने विमानों के महंगे टिकट खरीदने की मजबूरी सी पैदा हो गई है। हवाई टिकट तीन गुने तक महंगा हो गया है। जबकि रेगुलर ट्रेनों में लंबी वेटिंग के चलते सीटों की मारामारी बढ़ गई है। चार मार्च को होली का पर्व मनाया जाना है। ऐसे में दिल्ली, मुंबई आदि जगहों पर रहने वाले लखनऊवासी दो दिन पहले से ही

घर आना शुरू कर देंगे। मुंबई से लखनऊ आने वाली इंडिगो की उड़ान दो मार्च को 10416 रुपये, एयर इंडिया की 13058 रुपये, अकासा एयर की 11791 रुपये पहुंच गई है। वहीं तीन मार्च को इंडिगो, एयर इंडिया व अकासा एयर की उड़ानों का किराया क्रमशः 11416 रुपये, 16193 व 12890 रुपये है। आम दिनों में मुंबई से आने वाली उड़ानों का किराया पांच हजार रुपये के आसपास होता है।

इतना ही नहीं दिल्ली से लखनऊ आने वाली इंडिगो व एयर इंडिया की उड़ानों का किराया दो मार्च को क्रमशः 8053 व 8263 रुपये पहुंच गया है। जबकि तीन मार्च का इन उड़ानों का किराया 7948 व 11893 रुपये पहुंच गया है। आम दिनों में किराया चार हजार रुपये के आसपास रहता है। ऐसे ही बंगलुरु से लखनऊ आने वाली इंडिगो, एयर इंडिया एक्सप्रेस का किराया दो मार्च को 11543 रुपये व 10648 रुपये है। तीन मार्च को इन एयरलाइनों का किराया 10650 व 8248 रुपये पहुंच गया है। आम दिनों में इनका किराया 5500 रुपये के आसपास रहता है। वहीं हैदराबाद से लखनऊ आने वाली इंडिगो व एयर इंडिया की उड़ानों का किराया दो मार्च को 11096 एवं तीन मार्च को 12251 रुपये पहुंच गया है।

अब यूपी के सभी कैंटोनमेंट अस्पतालों में आयुष्मान कार्ड धारकों को मिलेगा इलाज

लखनऊ

उत्तर प्रदेश में आयुष्मान कार्ड धारकों को अब सभी कैंटोनमेंट अस्पतालों में इलाज की सुविधा दी जाएगी। इसके लिए जल्द ही स्टेट हेल्थ एजेंसी (साचीज) 12 कैंटोनमेंट अस्पतालों से एमओयू करेगी। प्रदेश में कुल 13 कैंटोनमेंट अस्पताल हैं। इनमें प्रयागराज कैंटोनमेंट अस्पताल में पहले से ही आयुष्मान कार्ड धारकों का इलाज किया जा रहा है। अब सरकार अन्य सभी कैंटोनमेंट अस्पतालों में इलाज मुहैया कराएगी। साचीज की सीईओ अर्चना वर्मा ने बताया कि जनवरी-26 से प्रयागराज के कैंटोनमेंट अस्पताल में आयुष्मान कार्ड धारकों का निशुल्क इलाज किया जा रहा है। वहां मरीजों को कार्डियोलॉजी, नेफ्रोलॉजी, मेडिकल एंड सर्जिकल ऑन्कोलॉजी आदि गंभीर बीमारियों के इलाज की सुविधा दी जा रही है। साथ ही मुफ्त ओपीडी अप्वाइंटमेंट, मुफ्त जांच एवं

गंभीर मरीजों को मुफ्त परिवहन की सुविधा दी जा रही है। उन्होंने बताया कि अब अन्य 12 कैंटोनमेंट अस्पतालों के साथ एमओयू साइन किया जाएगा। इसके लिए लगभग सभी औपचारिकताएं पूरी कर ली गई हैं। एमओयू के बाद लखनऊ, कानपुर, मेरठ, बरेली, वाराणसी, अयोध्या, शाहजहांपुर, मथुरा, आगरा, फतेहपुर, झांसी और बबीना के कैंटोनमेंट अस्पतालों में आयुष्मान कार्ड धारक मरीजों को उपचार मिल सकेगा।

सम्पादकीय

शराब नीति केस से उठे नए कानूनी सवाल

केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआइ) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के कामकाज के तरीके और जांच की पद्धति पर पहले भी सवाल उठते रहे हैं। यह चिंता भी जताई जाती रही है कि आखिर इससे इन जांच एजंसियों की कैसी छवि बन रही है। मगर दिल्ली में शराब नीति से जुड़े कथित घोटाले के संबंध में विशेष अदालत का जो फैसला आया है, उससे फिर यह सवाल उठा है कि क्या ये एजंसियां किसी खास मंशा के तहत सोच-समझ कर नेताओं या अन्य लोगों के खिलाफ मामला उठाती हैं और क्या उनका बेजा इस्तेमाल हो रहा है। गौरतलब है कि आबकारी नीति से संबद्ध मामले में विशेष अदालत ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और अन्य इक्कीस लोगों को आरोपमुक्त कर दिया। विशेष अदालत में हुई सुनवाई के बाद यही सामने आया कि अभियोजन पक्ष ने आरोपियों के विरुद्ध जो भी आरोप लगाए थे, उसे साबित करने के लिए उनके पास कोई ठोस सबूत नहीं था। लापरवाही या हड़बड़ी का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि सीबीआइ ने अदालत में जो आरोपपत्र प्रस्तुत किए, उनमें न सिर्फ गंभीर खामियां थीं, बल्कि कई विरोधाभास भी थे। सवाल है कि देश की सबसे महत्त्वपूर्ण एजंसी इतने बड़े स्तर पर मामला उठाते हुए किसी आरोप पर किस तरह काम करती है, कैसे आरोपपत्र तैयार करती है कि उसे खारिज किए जाने का एक आधार उसमें विरोधाभास होना होता है। यह मामला वर्ष 2021-22 के दौरान दिल्ली आबकारी नीति से जुड़ा है, जिसका उद्देश्य राजस्व बढ़ाना और शराब के कारोबार में सुधार करना बताया गया था। हालांकि बाद में इसमें घोर अनियमितता के आरोप लगे और मामले की जांच सीबीआइ को सौंपी गई। इसके बाद ईडी और सीबीआइ की ओर से यह आरोप लगाया गया कि इस नीति के जरिए निजी कंपनियों को अनुचित फायदा पहुंचाया गया। इस आरोप में मनीष सिसोदिया और बाद में अरविंद केजरीवाल को भी गिरफ्तार किया गया था। सुनवाई के बाद अदालत ने पाया कि इस मामले में लगाए गए आरोपों के पक्ष में ठोस और विश्वसनीय सबूत नहीं थे। लिहाजा अदालत ने मामले को रद्द कर दिया और सभी तेईस आरोपियों को आरोपों से मुक्त कर दिया। अदालत की यह टिप्पणी सीबीआइ के लिए बेहद असुविधाजनक होनी चाहिए कि उसने केवल अनुमानों के आधार पर साजिश की कहानी गढ़ने की कोशिश की। दरअसल, पिछले कुछ वर्षों के दौरान ईडी और सीबीआइ पर किसी खास मंशा से ग्रस्त होकर या अप्रत्यक्ष रूप से किसी के इशारे पर काम करने के आरोप कई बार लगे हैं। इसकी गंभीरता का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि इन एजंसियों की कार्यप्रणाली को लेकर सुप्रीम कोर्ट को भी कई बार सख्त टिप्पणियां करनी पड़ीं। शीर्ष अदालत ने यहां तक कहा था कि ये एजंसियां गवाहों से लेकर आरोपियों तक के मामले में भेदभावकारी नीति अपनाती हैं। मगर हैरानी की बात है कि विपक्षी दलों से लेकर अदालतों की ओर से बार-बार सवाल उठाए जाने के बावजूद ईडी और सीबीआइ के काम करने के तरीके में कोई बदलाव नहीं देखा जा रहा। इस बात पर विचार करने की जरूरत है कि ईडी की ओर से जितने भी मामले दर्ज किए जाते हैं, उसमें दोषसिद्धि की दर कितनी है और ऐसा क्यों है। क्या यह चिंता की बात नहीं होनी चाहिए कि सिर्फ कामकाज की शैली की वजह से जिस तरह इन एजंसियों की साख पर सवाल उठ रहे हैं, उससे सही मामलों में भी इनकी विश्वसनीयता संदेह के घेरे में रहेगी?

सुशील कुमार सिंह प्रधान संपादक

होली : आध्यात्मिक चेतना एवं वैज्ञानिक दृष्टि का सांस्कृतिक उत्सव

ललित गर्ग

होली का मूल प्रेरक प्रसंग प्रह्लाद और होलिका की कथा से जुड़ा है। यह कथा केवल पौराणिक आख्यान नहीं, बल्कि गहन प्रतीकात्मक संदेश है। प्रह्लाद अटूट श्रद्धा और सत्यनिष्ठा के प्रतीक हैं, जबकि होलिका अहंकार और दुराग्रह का प्रतिनिधित्व करती है। होलिका-दहन हमें यह सिखाता है कि अंततः विजय सत्य की होती है और अहंकार की ज्वाला स्वयं को ही भस्म कर देती है। जब हम होलिका की अग्नि प्रज्वलित करते हैं, तो उसका वास्तविक अर्थ बाहरी लकड़ियों को जलाना नहीं, बल्कि अपने भीतर के क्रोध, ईर्ष्या, द्वेष और अहं को दग्ध करना है। यदि यह आंतरिक शुद्धि नहीं हुई, तो होली केवल एक सामाजिक आयोजन बनकर रह जाएगी। रंगों का आध्यात्मिक अर्थ भी अत्यंत गहरा है। भारतीय संस्कृति में प्रत्येक रंग का अपना भाव है। लाल ऊर्जा और प्रेम का प्रतीक है, पीला ज्ञान और पवित्रता का, हरा जीवन और समृद्धि का, नीला अनंत आकाश और व्यापक चेतना का।

होली केवल रंगों का खेल नहीं, बल्कि भारतीय जीवन-दर्शन की सजीव अभिव्यक्ति है। यह वह पर्व है जो मनुष्य को उसके भीतर झाँकने का अवसर देता है और याद दिलाता है कि जीवन का वास्तविक सौंदर्य बाहरी आडंबर में नहीं, बल्कि अंतःकरण की निर्मलता में निहित है। समय के प्रवाह में होली के स्वरूप में अनेक परिवर्तन आए हैं। कहीं यह उत्सव उल्लास का माध्यम बना, तो कहीं उच्छृंखलता का पर्याय भी दिखाई देने लगा। छेड़खानी, मादक पदार्थों का सेवन, मारपीट और मयार्दा का उल्लंघन जैसी प्रवृत्तियां इस पावन पर्व की आत्मा के विपरीत हैं। वस्तुतः सही अर्थों में होली का अर्थ शालीनता का अतिक्रमण नहीं, बल्कि आंतरिक विकारों का दहन और संबंधों का पुनर्जीवन है। आवश्यकता इस बात की है कि हम होली के आध्यात्मिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक आयामों को समझें और समसामयिक संदर्भों में उसे एक नई गरिमा और जीवंतता प्रदान करें।

होली का मूल प्रेरक प्रसंग प्रह्लाद और होलिका की कथा से जुड़ा है। यह कथा केवल पौराणिक आख्यान नहीं, बल्कि गहन प्रतीकात्मक संदेश है। प्रह्लाद अटूट श्रद्धा और सत्यनिष्ठा के प्रतीक हैं, जबकि होलिका अहंकार और दुराग्रह का प्रतिनिधित्व करती है। होलिका-दहन हमें यह सिखाता है कि अंततः विजय सत्य की होती है और अहंकार की ज्वाला स्वयं को ही भस्म कर देती है। जब हम होलिका की अग्नि प्रज्वलित करते हैं, तो उसका वास्तविक अर्थ बाहरी लकड़ियों को जलाना नहीं, बल्कि अपने भीतर के क्रोध, ईर्ष्या, द्वेष और अहं को दग्ध करना है। यदि यह आंतरिक शुद्धि नहीं हुई, तो होली केवल एक सामाजिक आयोजन बनकर रह जाएगी। रंगों का आध्यात्मिक अर्थ भी अत्यंत गहरा है। भारतीय संस्कृति में प्रत्येक रंग का अपना भाव है। लाल ऊर्जा और प्रेम का प्रतीक है, पीला ज्ञान और पवित्रता का, हरा जीवन और समृद्धि का, नीला अनंत आकाश और व्यापक चेतना का। जब हम एक-दूसरे को रंग लगाते हैं, तो मानो यह घोषणा करते हैं कि हम भेदभाव की सीमाएँ मिटाकर एकात्मता का अनुभव करेंगे। रंग हमें सिखाते हैं कि विविधता ही जीवन का सौंदर्य है। अलग-अलग रंग मिलकर ही इंद्रधनुष बनाते हैं; उसी प्रकार विभिन्न समुदायों, विचारों और संस्कृतियों का समन्वय ही समाज को समृद्ध बनाता है। यही होली का सांस्कृतिक संदेश है- विविधता में एकता। वैज्ञानिक दृष्टि से भी होली का विशेष महत्व है। यह पर्व फाल्गुन पूर्णिमा को आता है, जब शीत ऋतु का समापन और ग्रीष्म ऋतु का आरंभ होता है। यह संक्रमण काल शरीर की प्रतिरोधक क्षमता के लिए संवेदनशील समय होता है। परंपरागत रूप से होलिका-दहन की अग्नि के समीप बैठना और उसकी ऊष्मा ग्रहण करना स्वास्थ्य की दृष्टि से लाभकारी माना गया। प्राचीन काल में टेसू के फूलों, चंदन, हल्दी और प्राकृतिक गुलाल से बने रंगों का प्रयोग किया जाता था, जिनमें औषधीय गुण होते थे। वे त्वचा को लाभ पहुँचाते थे और संक्रमण से भी रक्षा करते थे। आज रासायनिक रंगों के दुष्प्रभावों ने इस परंपरा को चुनौती दी है। अतः आवश्यक है कि हम प्राकृतिक और पर्यावरण-अनुकूल रंगों की ओर लौटें। विकसित भारत की संकल्पना में स्वच्छता, हरित जीवनशैली और प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता का जो आग्रह है, वह होली के पारंपरिक स्वरूप से पूर्णतः सामंजस्य रखता है। सांस्कृतिक दृष्टि से होली भारतीय समाज की सामूहिक चेतना का उत्सव है। यह वह अवसर है जब सामाजिक भेदभाव की दीवारें कमजोर पड़ती हैं और अपनत्व का रंग गहरा होता है। गाँवों में फाग-गीतों की गूंज, चौपालों पर हास-परिहास, नगरों में सांस्कृतिक आयोजन-ये सब सामाजिक ताने-बाने को मजबूत करते हैं। होली का एक स्वरूप वह भी है, जब लोग पुराने मनमुटाव भुलाकर गले मिलते हैं और संबंधों को नया आयाम देते हैं। यह पर्व संवाद और समरसता का सेतु बन सकता है, बशर्ते हम इसकी मूल भावना को समझें।

आज के वैश्वीकरण के युग में नई पीढ़ी आधुनिकता को प्रगति का पर्याय मानती है। आधुनिकता स्वागतयोग्य है, किंतु यदि वह मूल्य-विस्मृति का कारण बन जाए, तो समाज का संतुलन बिगड़ सकता है। बुरा न मानो होली है का अर्थ किसी की गरिमा को ठेस पहुँचाना नहीं, बल्कि हँसी-खुशी के साथ आत्मीयता बाँटना है। महिलाओं के सम्मान, सार्वजनिक मयार्दा और सामाजिक उत्तरदायित्व का ध्यान रखते हुए होली मनाना ही सच्ची भारतीयता है। यदि उत्सव के नाम पर उच्छृंखलता बढ़े, तो वह हमारे सांस्कृतिक आत्मसम्मान के विपरीत है। नई पीढ़ी को यह समझाना होगा कि आनंद और अनुशासन एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सांस्कृतिक आत्मविश्वास की नई यात्रा पर अग्रसर है। नया भारत और विकसित भारत की परिकल्पना केवल आर्थिक प्रगति तक सीमित नहीं, बल्कि सांस्कृतिक पुनर्जागरण से भी जुड़ी है। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारतीय परंपराओं, योग, आयुर्वेद और त्योहारों की बढ़ती प्रतिष्ठा इस परिवर्तन का संकेत है। होली जैसे पर्व विश्वभर में भारतीय संस्कृति की पहचान बन रहे हैं। यदि इन्हें शालीनता, पर्यावरण-संवेदनशीलता और आध्यात्मिक चेतना के साथ प्रस्तुत किया जाए, तो यह भारत की सॉफ्ट पावर को और सुदृढ़ कर सकते हैं। यह समय है जब हम अपने त्योहारों को केवल मनोरंजन तक सीमित न रखकर उन्हें सांस्कृतिक कूटनीति और सामाजिक जागरण का माध्यम बनाएं।

नई विश्व-व्यवस्था में जहाँ तकनीकी प्रगति के साथ मानसिक तनाव और सामाजिक दूरी भी बढ़ रही है, वहाँ होली जैसे उत्सव मानवीय संबंधों को पुनर्स्थापित करने का अवसर देते हैं। डिजिटल युग में लोग आभासी संवाद में अधिक और प्रत्यक्ष संवाद में कम समय दे रहे हैं। होली हमें प्रत्यक्ष मिलन, स्नेह-स्पर्श और सामूहिक उल्लास की अनुभूति कराती है। यह सामाजिक एकाकीपन को दूर करने का भी माध्यम बन सकती है। यदि हम इस अवसर पर समाज के वंचित वर्गों, वृद्धजनों और जरूरतमंदों के साथ रंग साझा करें, तो यह उत्सव करुणा और सेवा की भावना को भी सशक्त करेगा। आवश्यकता है कि होली को नशामुक्त, पर्यावरण-अनुकूल और सांस्कृतिक गरिमा के साथ मनाने का सामूहिक संकल्प लिया जाए। विद्यालयों, सामाजिक संस्थाओं और धार्मिक संगठनों के माध्यम से होली के मूल संदेश को प्रचारित किया जा सकता है। फाग-गीत, लोकनृत्य, कवि-सम्मेलन और सामूहिक प्रार्थना जैसे आयोजनों से इस पर्व को नई दिशा दी जा सकती है। जब होली केवल रंगों तक सीमित न रहकर विचारों का उत्सव बनेगी, तभी उसका वास्तविक उद्देश्य पूर्ण होगा।

निश्चित तौर पर होली हमें यह सिखाती है कि बाहरी रंग क्षणिक हैं, किंतु आंतरिक प्रेम और सद्भाव शाश्वत हैं। यदि हम अपने भीतर के अहंकार को जला दें और हृदय में करुणा का रंग भर दें, तो हर दिन होली बन सकता है। विकसित भारत का स्वप्न तभी साकार होगा जब आर्थिक उन्नति के साथ सांस्कृतिक चेतना भी समानांतर चले। आइए, इस होली पर हम यह संकल्प लें कि मयार्दा का उल्लंघन नहीं, मयार्दा का उत्सव मनाएँगे; विभाजन नहीं, विश्वास का रंग फैलाएँगे; और उच्छृंखलता नहीं, उत्साह और सद्भाव का संदेश देंगे। जब होली का रंग हमारे चरित्र और आचरण में उतर जाएगा, तभी यह पर्व वास्तव में सार्थक और प्रेरणादायी बन सकेगा।

अर्थ से प्रभाव तक: योगी दौर की वैश्विक दास्तान

प्रणय विक्रम सिंह

कभी-कभी यात्राएं केवल दूरी नहीं तय करतीं, वे दिशा तय करती हैं। सिंगापुर की संजीवनी से शुरू होकर जापान की जागती जिजीविषा तक पहुंची मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की यह यात्रा भी केवल चार दिनों का सरकारी कार्यक्रम नहीं रही, यह उस बदलते उत्तर प्रदेश की कथा बन गई जो अब अवसरों की प्रतीक्षा नहीं करता, अवसरों को आमंत्रित करता है, और आमंत्रण को परिणाम में बदलने की तैयारी भी रखता है। सिंगापुर में संवाद से शुरूआत हुई, जापान में विश्वास से विस्तार हुआ और अंततः आंकड़ों ने इस यात्रा को उपलब्धि में रूपांतरित कर दिया।

कुल मिलाकर लगभग 1.5 लाख करोड़ के एमओयू और 2.5 लाख करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव सामने आए। सिर्फ जापान में ही लगभग 90,000 करोड़ के एमओयू और 1.5 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए, जबकि सिंगापुर से ?60,000 करोड़ के एमओयू और लगभग 1 लाख करोड़ के प्रस्ताव मिले। सरकार का अनुमान है कि यदि ये प्रस्ताव धरातल पर उतरते हैं, तो 5 लाख से अधिक युवाओं के लिए प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर बन सकते हैं। यही वह बिंदु है, जहां यह यात्रा औपचारिकता से आगे बढ़कर आर्थिक रणनीति में बदलती दिखाई देती है। बैठकों की संख्या भी प्रतीकात्मक नहीं रही। दोनों देशों में मिलाकर 60 से अधिक औपचारिक संवाद, तीन बड़े निवेश रोड शो, और लगभग 450-500 निवेशकों की भागीदारी इस बात का संकेत है कि उत्तर प्रदेश को लेकर वैश्विक उद्योग जगत की उत्सुकता अब उत्साह में बदल रही है।

सिंगापुर में फिनटेक, आईटी, लॉजिस्टिक्स, सेमीकंडक्टर, टूरिज्म और डीप-टेक जैसे क्षेत्रों पर गंभीर वार्ता हुई। आईटीई जैसे स्किलिंग संस्थानों का अध्ययन कर यह संकेत दिया गया कि निवेश केवल पूंजी नहीं, कौशल-साझेदारी और तकनीकी हस्तांतरण के साथ ही सार्थक होता है। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लिए एमआरओ, लॉजिस्टिक्स और कार्गो मॉडल का अध्ययन इसी दीर्घकालिक दृष्टि का हिस्सा है। जापान में संवाद का स्वर और अधिक तकनीकी हुआ। ऑटोमोबाइल, ग्रीन हाइड्रोजन, रोबोटिक्स, सेमीकंडक्टर, लॉजिस्टिक्स और डेटा इन्फ्रास्ट्रक्चर जैसे क्षेत्रों में संभावनाएं तलाश की गईं। यामानाशी में ग्रीन हाइड्रोजन प्लांट का निरीक्षण, रोबोटिक्स और ऑटोमेशन केंद्रों का अवलोकन, और सुपर हाई-स्पीड मैग्लेव ट्रेन का अनुभव, ये सब केवल दर्शनीय कार्यक्रम नहीं थेङ्क ये संकेत थे कि उत्तर प्रदेश अपनी औद्योगिक संरचना को भविष्य की तकनीक के अनुरूप ढालने का प्रयास कर रहा है। यीडा क्षेत्र में प्रस्तावित जापान सिटी, मेडिकल डिवाइस पार्क, डेटा सेंटर हब और सेमीकंडक्टर निवेश जैसे प्रस्ताव इस बात को पुष्ट करते हैं कि राज्य अब कृषि-प्रधान पहचान से आगे बढ़कर औद्योगिक-तकनीकी संतुलन की ओर बढ़ रहा है। 75,000 एकड़ से अधिक के लैंड बैंक, एक्सप्रेसवे नेटवर्क, डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर और बड़े उपभोक्ता बाजार की उपस्थिति को एक साथ रखकर निवेशकों के सामने एक समग्र प्रस्ताव रखा गया।

पर यह दास्तान केवल आंकड़ों की नहीं है। इसमें भावनाएं भी हैं। प्रवासी भारतीयों की आंखों की चमक, बच्चों के हाथों में लहराते दो देशों के ध्वज और उन उपहारों की कहानी जिनमें कारीगरों की मेहनत और मिट्टी की महक शामिल थी। एक जिला- एक उत्पाद की कलाकृतियां जब विदेशी धरती पर पहुंचीं, तो लगा जैसे प्रदेश की परंपरा ने अपने पंख फैला दिए हों और स्थानीय शिल्प ने वैश्विक बाजार से संवाद शुरू कर दिया हो। निवेश की बातचीत के बीच संस्कृति की यह कोमल उपस्थिति इस बात का संकेत थी कि उत्तर प्रदेश पूंजी के साथ पहचान भी निर्यात करना चाहता है। सिंगापुर और जापान की इस यात्रा में एक और दृश्य बार-बार उभरकर सामने आया लोकप्रियता का, पहचान का और प्रतीकात्मक प्रभाव का। प्रवासी भारतीयों के उत्साह, बच्चों की सहज आत्मीयता और स्थानीय प्रतिनिधियों के स्वागत में एक अलग तरह का भाव दिखाई दिया। वैश्विक मंच पर सनातन की सादगीपूर्ण वेशभूषा में एक भारतीय राजनेता की उपस्थिति ने यह संदेश भी दिया कि आधुनिकता और परंपरा परस्पर विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हो सकते हैं। सूट-टाई की वैश्विक कूटनीति के बीच भगवा वस्त्रों में संवाद करता एक मुख्यमंत्री केवल राजनीतिक प्रतिनिधि नहीं, सांस्कृतिक आत्मविश्वास का संकेत बनकर उभरा। इससे यह धारणा मजबूत होती है कि उत्तर प्रदेश की राजनीति केवल प्रशासनिक एजेंडा तक सीमित नहीं, बल्कि सांस्कृतिक पहचान और सभ्यतागत आत्मविश्वास के साथ भी आगे बढ़ रही है और यही संयोजन वैश्विक मंच पर जिज्ञासा, संवाद और समर्थन तीनों को जन्म देता है। आर्थिक दृष्टि से देखें तो यह यात्रा तीन स्पष्ट संकेत देती है। पहला, उत्तर प्रदेश वैश्विक सप्लाई चेन और मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम का हिस्सा बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। दूसरा, स्किलिंग, तकनीकी हस्तांतरण और औद्योगिक क्लस्टर विकास पर समानांतर ध्यान दिया जा रहा है। तीसरा, निवेश को रोजगार से जोड़ने की नीति स्पष्ट रूप से सामने रखी गई है। परंतु इस पूरी कथा का राजनीतिक आयाम भी उतना ही महत्वपूर्ण है। जब कोई मुख्यमंत्री अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपने राज्य के मॉडल को आत्मविश्वास से प्रस्तुत करता है, निवेश प्रस्तावों के साथ लौटता है और प्रवासी भारतीयों से सीधा संवाद स्थापित करता है, तो उसकी छवि केवल प्रशासक की नहीं रहती, वह विकास-केंद्रित नेतृत्व के रूप में राष्ट्रीय विमर्श में स्थापित होती है। यही आर्थिक गति आगे चलकर राजनीतिक प्रभाव का आधार भी बनती है।

कानून-व्यवस्था, इंफ्रास्ट्रक्चर और निवेश को एक साथ रखकर जो मॉडल प्रस्तुत किया गया है, यदि उसके परिणाम धरातल पर दिखाई देते हैं, तो यह केवल राज्य की अर्थव्यवस्था नहीं, नेतृत्व की राजनीतिक स्वीकार्यता को भी व्यापक बना सकता है। सामाजिक दृष्टि से इस यात्रा का प्रभाव रोजगार, कौशल और औद्योगिक अवसरों के विस्तार में दिखाई दे सकता है। यदि निवेश प्रस्ताव वास्तविक परियोजनाओं में बदलते हैं, तो शहरीकरण, औद्योगिक रोजगार और कौशल-आधारित शिक्षा की मांग बढ़ेगी। यह परिवर्तन सामाजिक संरचना को भी प्रभावित करेगा। ग्रामीण से शहरी प्रवाह, सेवा क्षेत्र का विस्तार और मध्यम वर्ग की वृद्धि जैसे आयाम सामने आ सकते हैं। भविष्य की दृष्टि से देखें तो यह यात्रा केवल समझौता-पत्रों का संकलन नहीं, बल्कि एक संदेश है कि उत्तर प्रदेश अब वैश्विक अर्थव्यवस्था के सक्रिय मानचित्र पर स्थान बनाने की तैयारी में है। यदि प्रस्तावित निवेश समयबद्ध ढंग से लागू होते हैं, तो राज्य का वन-ट्रिलियन-डॉलर अर्थव्यवस्था का लक्ष्य केवल नारा नहीं, नीति का परिणाम बन सकता है।

लोक कथा

पोल खुल गई

एक बार किसी मौलवी को उसके मुरीद ने खाने पर बुलाया। मेजबान के घर पहुँचकर उसकी दहलीज को पार करने के दौरान मौलवी अचानक चिल्लाने लगा-ऐ हट, हट, हट। इस पर घबराए मेजबान ने सहमते हुए मौलवी से पूछा- जनाब, क्या हुआ। आप इस तरह क्यों चिल्ला रहे हैं। मौलवी गंभीरता से बोला- अरे नहीं-नहीं, कुछ नहीं। मैं मक्का के पाक काबा में घुसते दिखाई दे रहे एक कुत्ते को भगा रहा था। यह सुनकर मेजबान दंग रह गया। वह सोचने लगा कि मौलवी साहब कितने रूहानी ताकत वाले हैं कि वे हजारों मील दूर मक्का तक साफ देख सकते हैं। लेकिन मेजबान की बीवी को यह बात हजम नहीं हुई। खाना परोसते समय उसने मौलवी की थाली में सालन को चावलों के नीचे छिपा दिया। अगल-बगल में बैठे दूसरे लोगों की थाली में चावल और सालन तथा अपनी थाली में सिर्फ चावल देखकर मौलवी इधर-उधर देखने लगा। बीवी बोली- जनाब, आपको कुछ चाहिए? मौलवी बोला- जी, शायद आप मुझे सालन परोसना भूल गई हैं। वह बोली- अरे, आप तो कोसों दूर मक्का तक देख सकते हैं, ध्यान से देखिए, सालन आपकी थाली में ही चावलों के नीचे है।

इस तरह चतुराई से मेजबान की बीवी ने मौलवी की पोल खोल दी।

कहानी

मूर्ख बातूनी कछुआ

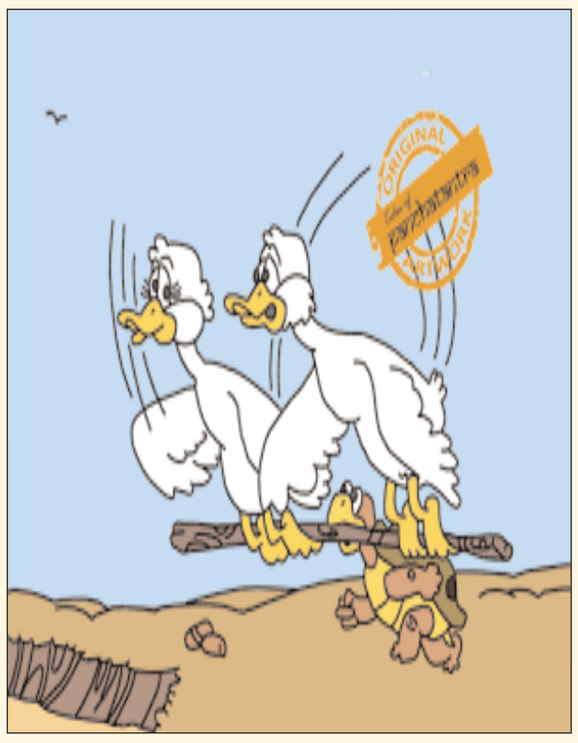

एक तालाब में कम्बुग्रीव नामक एक कछुआ रहता था। उसी तलाब में दो हंस तैरने के लिए उतरते थे। हंस बहुत हंसमुख और मिलनसार थे। कछुए और उनमें दोस्ती होते देर न लगी। हंसो को कछुए का धीमे-धीमे चलना और उसका भोलापन बहुत अच्छा लगा। हंस बहुत ज्ञानी भी थे। वे कछुए को अदभुत बातें बताते। ऋषि-मुनियों की कहानियां सुनाते। हंस तो दूर-दूर तक घूमकर आते थे, इसलिए दूसरी जगहों की अनोखी बातें कछुए को बताते। कछुआ मंत्रमुग्ध होकर उनकी बातें सुनता। बाकी तो सब ठीक था, पर कछुए को बीच में टोका-टाकी करने की बहुत आदत थी। अपने सज्जन स्वभाव के कारण हंस उसकी इस आदत का बुरा नहीं मानते थे। उन तीनों की घनिष्टता बढती गई। दिन गुजरते गए। एक बार बडे जोर का सुखा पडा। बरसात के मौसम में भी एक बूंद पानी नहीं बरसा। उस तालाब का पानी सूखने लगा। प्राणी मरने लगे, मछलियां तो तडप-तडपकर मर गईं। तालाब का पानी और तेजी से सूखने लगा। एक समय ऐसा भी आया कि तालाब में खाली कीचड रह गया। कछुआ बडे संकट में पड गया। जीवन-मरण का प्रश्न खडा हो गया। वहीं पडा रहता तो कछुए का अंत निश्चित था। हंस अपने मित्र पर आए संकट को दूर करने का उपाय सोचने लगे। वे अपने मित्र कछुए को ढाडस बंधाने का प्रयत्न करते और हिम्मत न हारने की सलाह देते। हंस केवल झूठा दिलासा नहीं दे रहे थे। वे दूर-दूर तक उडकर समस्या का हल ढूढते। एक दिन लौटकर हंसो ने कहा मित्र, यहां से पचास कोस दूर एक झील हैं। उसमें काफी पानी हैं तुम वहां मजे से रहोगे। कछुआ रोनी आवाज में बोला पचास कोस? इतनी दूर जाने में मुझे महीनों लगेंगे। तब तक तो मैं मर जाऊंगा। वे एक लकडी उठाकर लाए और बोले मित्र, हम दोनों अपनी चोंच में इस लकडी के सिरे पकडकर एक साथ उडेंगे। तुम इस लकडी को बीच में से मुंह से थामे रहना। इस प्रकार हम उस झील तक तुम्हें पहुंचा देंगे उसके बाद तुम्हें कोई चिन्ता नहीं रहेगी। कछुए ने हामी में सिर हिलाया। बस, लकडी पकडकर हंस उड चले। उनके बीच में लकडी मुंह दाबे कछुआ। वे एक कस्बे के ऊपर से उड रहे थे कि नीचे खडे लोगों ने आकाश में अदभुत नजारा देखा। सब एक दूसरे को ऊपर आकाश का दृश्य दिखाने लगे। लोग दौड-दौडकर अपने छज्जों पर निकल आए। कुछ अपने मकानों की छतों की ओर दौडे। बच्चे बूढे, औरतें व जवान सब ऊपर देखने लगे। खूब शोर मचा। कछुए की नजर नीचे उन लोगों पर पडी। उसे आश्चर्य हुआ कि उन्हें इतने लोग देख रहे हैं। वह अपने मित्रों की चेतावनी भूल गया और चिल्लाया देखो, कितने लोग हमें देख रहे है! मुंह के खुलते ही वह नीचे गिर पडा। नीचे उसकी हड्डी-पसली का भी पता नहीं लगा।

मिनिमलिज्म

संतोष उत्सुक

(व्यंग्य)

अरे यार, कुदरत से प्रेरित होकर इंसान ने ही इतने खूबसूरत रंग बनाए हैं। उन्हें कब पहनेंगे। कलाकारों, डिजाइनर्स और तकनीक ने आकर्षक कपड़े सजाए हैं। महिलाओं के लिए तो छोटे से छोटे, मंहगे से महंगे वस्त्र बनाए हैं उनका मजा कब लेंगे। अगला जन्म तो सिर्फ ख्याल है, असली जिंदगी तो सिर्फ एक बार ही मिलनी है।

यह शब्द बोलने में अजीब सा है जिसका अर्थ है सादा जीवन व्यतीत करना, केवल जरूरी चीजों के साथ जीना, गैर जरूरी चीजों का दबाव हटाना। कम चीजों से ज्यादा खुशी मिलती है, जिंदगी को अर्थ देती हैं, तनाव कम होता है, ध्यान केन्द्रित रहता है। यह बात आज के विकसित, सुविधावादी युग में सार्थक नहीं लगती। आजकल ऐसा करना तो क्या सोचना भी मुश्किल है। यह तो प्रवचन ही लगता है। अब तो सपने भी ऑनलाइन शापिंग के आते हैं, नए नए स्वाद लुभाते हैं । कहते हैं ज्यादा चीजें अव्यवस्था पैदा करती हैं। चीजों को अनुशासन में रखो, साफ सुथरी रखो। उनका नियमित प्रयोग करो। उनका बीमा करवाकर रखो। उनकी देखरेख की जिम्मेदारी आपस में बांट कर रखो तो कोई परेशानी नहीं होती। बेचारा बाजार दिन रात मेहनत करता है, मार्केटिंग के नए नए तरीके लाता है, नए महंगे चेहरों के साथ विज्ञापन बनवाता है। खूबसूरत मॉडल्स सामान ही सामान खरीदने के लिए उत्प्रेरित करते हैं । यह सब एक बार मिली जिंदगी में चीजें कम करने के लिए तो नहीं है। फिर प्रेरणा, लालच, ईर्ष्या, द्वेष और प्रतियोगिता का क्या करें। सफल और धन दौलत वालों की मिसाल देकर समझाया जाता है उन्हें देखो कितने कम सामान या कपड़ों में जीवन बिताते हैं यानी एक ही रंग की सात टी शर्ट्स खरीद लो।

अरे यार, कुदरत से प्रेरित होकर इंसान ने ही इतने खूबसूरत रंग बनाए हैं। उन्हें कब पहनेंगे। कलाकारों, डिजाइनर्स और तकनीक ने आकर्षक कपड़े सजाए हैं। महिलाओं के लिए तो छोटे से छोटे, मंहगे से महंगे वस्त्र बनाए हैं उनका मजा कब लेंगे। अगला जन्म तो सिर्फ ख्याल है, असली जिंदगी तो सिर्फ एक बार ही मिलनी है। मान लो, अगला जन्म मिला, योनी बदली, गधे बने तो। वस्तुएं कम करने वाले कहते हैं कि इनसे प्राप्त होने वाली खुशी अस्थायी है। अनुभव, लम्बी व स्थाई खुशी देते हैं। शायद इन लोगों को पता नहीं कि जीवन में खुशियां कम हैं और दुःख ज्यादा। मकान,

कार, सोना हासिल करने का अनुभव किस अनुभव से कम है। चौरासी किलोमीटर जाकर स्वादिष्ट खाने का अनुभव ही बरसों नहीं भूलता।

कम उपभोग करने वाली जीवन शैली के वकील कहते हैं कि कम चीजों वाले ज्यादा शांति और संतुष्टि महसूस करते हैं। घर साफ सुथरा शांत दिखता होता है। पूरा ध्यान आपसी रिश्तों पर जाता है। व्यक्ति भावनात्मक ऊर्जा प्राप्त करता है। लेकिन ज्यादा चीजों से घर भरा भरा लगता है, सकारात्मकता आती है कि मैं इतनी चीजों का स्वामी हूं। ज्यादा साफ सफाई भी तो एक तरह का संक्रमण फैलाती है । घर से बाहर का वातावरण और पर्यावरण तो कूड़ा कचरा पूर्ण ही है न। उन लोगों को क्यूं नहीं समझाया जाता जो नए नए आविष्कार करते रहते हैं। पिछले दिनों मेरी पत्नी सेब काटने की मशीन मंगाने की इच्छा जता रही थी, जिसे मैंने सामान कम करने की शुरूआत मानकर नहीं मंगाया। उनसे वायदा किया कि सेब भी मैं ही काट दिया करूंगा लेकिन बाजार में किन्नू और संतरों की भरमार होते ही नया जूसर खरीदना पड़ा क्यूंकि पुराना खराब था। जूसर में रस फलों का निकला, तेल मेरी जेब का और असली चीज जो सेहत के लिए लाभदायक होती है यानी फाइबर, कचरा पेटी में गया। शिक्षा यह मिली कि खूब चीजों का मैक्सिमम मजा लो।

गैंगरेप के आरोपी ने जहरीला पदार्थ खाकर दी जान

परिजन का आरोप, समझौते के लिए मांगे थे 15 लाख रुपए

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। भोगांव थाना क्षेत्र में अनुसूचित जाति की युवती को अगवा कर सामूहिक दुष्कर्म करने के आरोपी ने शनिवार सुबह ननिहाल में जहरीला पदार्थ निगलकर जान दे दी।

परिजन का आरोप है कि समझौते के लिए 15 लाख रुपये मागे जा रहे थे, जिससे आरोपी आशीष उर्फ सीटू परेशान था और इसी वजह से उसने खुदकुशी कर ली। पुलिस ने पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया। भोगांव क्षेत्र के गांव दलपतिपुर निवासी आशीष उर्फ सीटू कुछ दिन पहले बेवर क्षेत्र के गांव मटेना स्थित अपनी ननिहाल आया था। वह मानसिक रूप से परेशान चल रहा था। शनिवार सुबह उसे अचेत देख मामा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बेवर लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सक ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को मोर्चरी भेजा। पोस्टमार्टम हाउस पर मौजूद मृतक के चचेरे भाई अनूप ने बताया कि जिस व्यक्ति ने आशीष सहित दो लोगों के खिलाफ भोगांव थाने में अपहरण, सामूहिक दुष्कर्म की प्राथमिकी दर्ज कराई थी, वह मामले में समझौते की बात कह रहा था। आशीष को समझौते के लिए बुलाया गया था, वहां पर उससे 15 लाख रुपये की मांग की गई। आशीष को टॉर्चर किया गया, जिस वजह से परेशान होकर उसने जान दे दी।

क्या बोले थानाध्यक्ष बेवर

प्रभारी निरीक्षक बेवर अनिल कुमार सिंह का कहना है कि मृतक भोगांव थाने में दर्ज सामूहिक दुष्कर्म के मामले में आरोपी था, खुदकुशी के पीछे क्या वजह रही, सभी तथ्यों की गहनता से जांच की जा रही है। जांच व तहरीर के आधार पर पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई करेगी।

क्या था गैंगरेप का पूरा मामला

भोगांव थाना क्षेत्र में 18 फरवरी को एक अनुसूचित जाति की युवती को घर से अगवा कर सुनसान जगह पर ले जाकर आरोपी और उसके चचेरे भाइयों आशीष यादव व अंकित यादव ने सामूहिक दुष्कर्म किया था। तीनों पर पर अपहरण, सामूहिक दुष्कर्म, एससीएसटी सहित अन्य धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। आशीष पर आरोप था कि उसने युवती पर शादी करने का दबाव बनाया। मना करने पर तमंचा दिखाकर धमकी दी। 19 फरवरी को मामला दर्ज कर भोगांव थाना पुलिस प्राथमिकी दर्ज कर आरोपियों की तलाश कर रही थी।

सिंचाई को लेकर दो पक्ष भिड़े जमकर हुई मारपीट

मोर्निंग सिटी संवाददाता

किशनी/मैनपुरी। थाना क्षेत्र के गांव हरनागरपुर निवासी पंकज कुमार पुत्र राम प्रकाश ने थाने में शिकायत की है। बताया शनिवार को सुबह करीब 10 बजे खेत पर सिंचाई को आये उनके गांव के विनोद यादव पुत्र हुकुम सिंह, रविंद्र पुत्र मातादीन यादव ग्राम दादीपुर, अगसू पुत्र विनोद व शिववीर पुत्र विनोद ग्राम हरनागरपुर गालियां देते हुए लाठी डंडे दराती लेकर उनकी मारपीट करने लगे। मारपीट के दौरान वह गंभीर रूप से घायल हो गए मौजूद गांव के लोगों ने बचाया है। पीड़ित का आरोप है उपरोक्त नामजद ने जान से मारने की धमकी दी है।

दूसरे पक्ष से विनोद कुमार पुत्र हुकुम सिंह यादव ने भी पुलिस से शिकायत की है। बताया शनिवार को दिन के करीब 10 बजे उनके गांव के पंकज कुमार व पवन कुमार पुत्रगढ़ राम प्रकाश यादव व नीतू देवी पत्नी पवन कुमार,गुड़िया देवी पत्नी पंकज कुमार यादव ने सिंचाई के साथ उनके खेत में समर का पानी कर दिया रोकने पर गालियां देते हुए लाठी डंडे दराती से उन्हें मारा पीटा जिससे उनके हाथ व मुंह में चोट आ गई। शोरगुल की आवाज सुनकर मौजूद लोगों ने बचाया है। पुलिस ने दोनों पक्षों की तहरीर लेकर जांच शुरू कर दी है।

शॉर्ट सर्किट से ई-रिक्शा चीनी गोदाम में लगी आग

आग लगने से लाखों का नुकसान, डेढ़ घंटे बाद आग पर काबू

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। शहर के देवी रोड स्थित यादव मार्केट में शनिवार सुबह साढ़े सात बजे के करीब शार्ट सर्किट के चलते ई-रिक्शा और चीनी गोदाम में आग लग गई। धीरे-धीरे आग में विकराल रूप धारण कर लिया और क्लीनिक को भी अपनी चपेट में ले लिया। आग की तेज लपटें देखकर आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर पुलिस और दमकल की दो टीमें मौके पर पहुंचीं, जहां डेढ़ घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पर लिया गया। तब तक लाखों रुपए का नुकसान हो गया है।

औंछा क्षेत्र के गांव खिरिया पीपर निवासी दिनेश यादव का नगर के देवी रोड पर कैलाश गेट चौकी के निकट मार्केट है। मार्केट का गोदाम एक है। दुकानों के हिसाब से प्लाई लगाकर बांटा गया है। जहां गोदाम में झम्मन लाल मंडी निवासी अंशु कुमार की लाखों की चीनी रखी है और विवेक चौहान के ई-रिक्शा का भी गोदाम है। पास ही एकता नर्सिंग होम संचालित है। शनिवार सुबह साढ़े सात बजे के करीब शार्ट सर्किट की चलती ई-रिक्शा गोदाम में आग लग गई। धीरे-धीरे आग ने तेजी पकड़ते हुए चीनी गोदाम और क्लीनिक को भी चपेट में ले लिया। आग की तेज लपटें देख आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना पर कोतवाली पुलिस दमकल की दो टीमों के साथ मौके पर पहुंची। जहां दमकल टीम ने डेढ़ घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया, लेकिन तब तक वहां रखा लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया है।

सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य को दी गई विदाई

मोर्निंग सिटी संवाददाता, भोगांव/मैनपुरी। राजकीय पॉलिटेक्निक छाछा के प्रधानाचार्य बिहारी लाल के सेवानिवृत होने पर शिक्षको एंव प्रशिक्षार्थियो ने भावभीनी विदाई दी। शनिवार को विधालय मे आयोजित कार्यक्रम मे सेवानिवृत हुये प्रधानाचार्य बिहारीलाल ने कहा कि उन्होने अपनी सेवाकाल के दौरान हमेशा से ही शिक्षा को महत्व दिया है उनका हमेंशा लक्ष्य रहा है कि उनके पढाये हुये छात्र देश मे बहुत आगे बढे और देश का नाम रोशन करे। कार्यबाहक प्रधानाचार्य सुनील कुमार ने कहा कि सरकारी कर्मचारी जिस दिन सेवा मे आता है उसी दिन उसकी सेवानिवृत होने का दिन भी तय हो जाता है बिहारी लाल ने इस संस्थान मे तैनाती के दौरान नये आयाम स्थापित किये है। इस मौके पर मनोज कुमार,सुनील कुमार,शिवम कुमार, धीरज कुमार, शैलेंद्र कुमार आदि मौजूद रहे।

बच्चो के संपूर्ण विकास के लिए हर प्रहार के क्रियाकलाप जरूरी

मोर्निंग सिटी संवाददाता, भोगांव/मैनपुरी। खण्ड शिक्षा अधिकारी सर्वेश सिंह ने कहा है कि बच्चो के सम्पूर्ण विकास के लिये उन्हे हर प्रकार की शिक्षा देने के साथ साथ शैक्षिक भ्रमण कार्यक्रम भी बहुत आवश्यक है इससे छात्रो को नई नई चीजो का ज्ञान मिलता है। खण्ड शिक्षाधिकारी सर्वेश कुमार शनिवार को उच्च प्राथमिक विधालयो के छात्रो के एक दिवसीय भ्रमण को हरी झण्डी दिखाकर रवाना करने के दौरान किये। उन्होने कहा कि इस विजिट का उद्देश्य विद्यार्थियों में जिज्ञासा, नवाचार ,वैज्ञानिक सोच को बढ़ाना है । परिषदीय उच्च प्राथमिक विद्यालयों कक्षा 6 से 8 तक के छात्र-छात्राओं में जिज्ञासा आधारित शिक्षा को बढ़ावा देने, वैज्ञानिक मनोवृति का विकास करने, प्रयोग के विविध अवसर उपलब्ध कराने तथा विज्ञान की प्रकृति, प्रक्रियाओं और विधियों की सम्यक समझ विकसित किए जाने के उद्देश्य से बच्चो को भेजा जा रहा है। विवज प्रतियोगिता में पहले 100 छात्र-छात्राओं को आगरा रवाना किया गया।
इस मौके पर बृजेश प्रताप सिंह ,रत्नेश कुमार, नवीन सक्सेना, सुखेंद्र सिंह यादव, आलोक रतन, राजकरन, शोइब, शालिनी चतुर्वेदी, काजल , मुहम्मद रफी खां, राजीव कुमार, अरूण कुमार, नीटू यादव आदि मौजूद थे।

खाटू श्याम की भजन संध्या मे झूमे भक्त

मोर्निंग सिटी संवाददाता भोगांव/मैनपुरी। नगर के सोमेश्वरनाथ मन्दिर परिसर मे स्थित खाटू श्याम मंदिर मे शुक्रवार को रंग भरनी एकादशी धूमधाम से मनाई गई। रात्रि मे आयोजित भजन संध्या मे भजन गायको ने बाबा के भजनो पर भक्तो को झूमने पर मजबूर कर दिया। शुक्रवार की रात्रि आयोजित भजन संध्या मे भजन गायक राहुल ने हारा हू बाबा, बस तेरा सहारा है, शिवानी ने मेरे खाटू बाबा की अजब है मशाल, प्रियांश ने हारे का सहारा, बाबा श्याम हमारा आदि भजन प्रस्तुत किये। इस मौके पर संदीप गुप्ता, आशीष दुबे, रविदत्त दुबे, आशीष पाठक, विशाल उपाध्याय, संदीप शाक्य, अमन रायजादा, विकास दुबे, अमित पाल, रिंकी गुप्ता, कमलेश अग्निहोत्री, कविता दुबे, सुषमा तिवारी आदि मौजूद थे।

स्कूल के कार्यक्रमो में छात्रों को प्रतिभाग करना चाहिए

आरएस एकेडमी मे प्रतिभागियों को किया गया सम्मानित

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कुसमरा/मैनपुरी। नगर के विक्रम शिक्षा निकेतन इंटर कालेज के परिसर में आरएस एकेडमी के तत्वावधान में आयोजित वार्षिकोत्सव के बाद शनिवार को विद्यालय समिति द्वारा प्रतिभागियों को शील्ड देकर सम्मानित किया गया।

प्रबन्धक प्रशांत यादव ने प्रतिभागियों को सम्मानित करते हुए कहा कि सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रतिभाग करने से बच्चों में आगे बढ़ने की ललक पैदा होती है। इसलिए शिक्षण कार्य के समय स्कूल कालेजों में होने वाले प्रत्येक कार्यक्रम में बच्चों को प्रतिभाग करना चाहिए। प्रधानाचार्य पूजा यादव ने कहा कि सांस्कृतिक कार्यक्रम से बच्चों का शारिरिक एवं मानसिक विकास होता है साथ ही उन्हें महापुरुषों नाटक गीत प्रस्तुत करने पर अपने इतिहास की भी जानकारी मिलती है। इस अवसर पर भानु पाठक, सौरभ यादव, निशांत यादव, वर्षा यादव, आशीष मिश्रा, अवनीश यादव, अनुरुद्ध यादव, पवन अवस्थी, मनीष यादव, हरितिमा, सौरभ यादव, पुरुषोत्तम, शिवम, मधुर पांडेय, नमी, दीक्षा, अदिति दुर्गेश शर्मा, लता मिश्रा, रश्मी, सताक्षी पांडेय, ज्योति गुप्ता, रितिक यादव, शिवम यादव सहित दर्जनों शिक्षक उपस्थित थे।

कार्यालय के बाहर पड़ा मोबाइल उठाने पर नामजद ने पीटा

मोर्निंग सिटी संवाददाता

किशनी/मैनपुरी। नगर के कृष्ण नगर वार्ड नंबर 8 निवासी आकाश पुत्र सुभाष यादव ने थाने में शिकायत की है। बताया वह बजाज कार्यालय में डीसीए कर्मचारियों के पद पर कार्यरत है। शनिवार को दिन के 10रू45 बजे एक मोबाइल बजाज कार्यालय के गेट के सामने अज्ञात रूप से पड़ा मिला उन्होंने उठाकर ऑफिस में रख दिया। कृष्ण गुप्ता पुत्र ना मालूम निवासी सदर बाजार आया और गालियां देकर ऑफिस में कहने लगा तूने मोबाइल क्यों उठाया तो इसी बात पर उपरोक्त व उक्त नामजद के साथी ने उन्हें मारापीटा व एक ने बाइक में तोड़फोड़ की जो उनके साथी बजाज कार्यालय का था। उपरोक्त ने धमकी दी तुझे नौकरी करने नहीं दूंगा। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

समाजहित में काम करने वाला कभी रिटायर्ड नहीं होता

सेवानिवृत्त होने पर चौकी इंचार्ज को दी भावभीनी विदाई

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कुसमरा/मैनपुरी। चौकी इचार्ज के सेवानिवृत्त होने पर नगर के दर्जनों लोगों ने चौकी पहुँच कर उन्हें फूल मालाओं से सम्मानित करते हुए बैण्डबाजों के साथ विदा किया। जिसके बाद चौकी प्रभारी एक दूसरे के गले मिले और लोगों की आंखे नम हो गयी। उनका एक वर्ष का समय उनके मृदुभाषी होने के कारण कभी विवादित नही रहा।

उन्होंने कहा कि लगभग एक वर्ष में कुसमरा सहित क्षेत्र के लोगो से जो स्नेह और सहयोग मिला वह कभी भूल नही सकते। सभासद आशीष मिश्रा ने कहा कि किसी भी क्षेत्र में समाजहित में काम करने वाला व्यक्ति कभी सेवानिवृत्त नही होता।

वह सेवानिवृत्त होने के बाबजूद भी परोक्ष रूप से समाज के लिए हमेशा कार्य करता रहता है। इस अवसर पर चौकी प्रभारी प्रवीण कुमार, चौकी प्रभारी रामनगर कृपाल सिंह, रामनरायन मिश्रा, आलोक पाण्डेय, शरद पांडेय, बीपी सिंह, विकास गुप्ता, सूर्यप्रताप सिंह, शैलेंद्र सिंह, आकाश अवस्थी, राजेश सिह सहित दर्जनों लोग उपस्थित थे।

ईश्वरीय व्यवस्था को भूलने के कारण ही झेलनी पड़ती हैं परेशानियां

अपर मुख्य सचिव समाज कल्याण द्वारा विकसित भारत पर संगोष्ठी में चर्चा

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। अपर मुख्य सचिव समाज कल्याण एवं सैनिक कल्याण विभाग तथा महानिदेशक उपाम उ.प्र. शासन एल. वेंकटेश्वर लू ने कलैक्ट्रेट सभागार में विकसित उत्तर प्रदेश-समर्थ उत्तर प्रदेश 2047 संकल्प से समृद्धि तक नशा मुक्त भारत अभियान के तहत कर्मयोग, मद्य निषेध एवं विकसित भारत पर आधारित संगोष्ठी में कर्मयोग पर चर्चा करते हुए कहा कि कर्म मानव सेवा का आधार है और आत्मविकास का भी माध्यम है, चरित्र निर्माण कर्म से ही होता है और मेहनत का कोई विकल्प नहीं, मानव सभ्यता की वर्तमान प्रगति हमारे पूर्वजों के निरंतर कर्म का परिणाम है।

महानिदेशक उपाम ने कहा कि आज का युवा बाहरी आकर्षणों से घिरा हुआ है, मोबाइल, इंटरनेट और सोशल मीडिया के माध्यम से निरंतर नई-नई जानकारियां और दृश्य सामने आते रहते हैं, जिससे मन विचलित होता है, तकनीक स्वयं में समस्या नहीं है बल्कि उसका उपयोग किस उद्देश्य से किया जा रहा है, यह महत्वपूर्ण है यदि वही मोबाइल शिक्षा, ज्ञान और सकारात्मक प्रेरणा के लिए उपयोग किया जाए तो वह विकास का साधन बन सकता है लेकिन यदि उसका उपयोग केवल मनोरंजन, गलत सामग्री या नशे जैसी आदतों को बढ़ाने के लिए किया जाए तो यह व्यक्ति के मानसिक और सामाजिक संतुलन को प्रभावित करता है। उन्होंने कहा कि कोई भी व्यक्ति जन्म से बुरी आदतों वाला नहीं होता, वातावरण, मित्र मंडली, सामाजिक प्रभाव और निरंतर दोहराव से आदतें विकसित होती हैं, इसलिए सुधार की प्रक्रिया भी धैर्यपूर्ण और संवाद आधारित होनी चाहिए।

युवाओं के जीवन में बदलाव लाने का काम करेंगे

जिलाधिकारी अंजनी कुमार सिंह ने अपर मुख्य सचिव का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आपके प्रेरणादायी उद्गार हॉल में उपस्थित सभी अधिकारियों, कर्मचारियों, युवाओं के जीवन में बदलाव लाने का कार्य करेंगे। उन्होने कार्यक्रम में उपस्थित युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि वह मंच का लाभ उठाकर ज्ञान, संवाद और आत्मचिंतन के माध्यम से अपने जीवन को बेहतर बनाएं। उन्होने कहा कि समाज का विकास तभी संभव है, जब प्रत्येक व्यक्ति अपने भीतर सुधार लाने का प्रयास करें और समाज के प्रति जिम्मेदारी निभाएं।

व्यक्ति ही समाज राष्ट्र निर्माण की मूल इकाई

पुलिस अधीक्षक गणेश प्रसाद शाहा ने कहा कि भगवत गीता का ज्ञान अत्यंत गहन होते हुए भी जीवन के लिए अत्यंत सरल और उपयोगी है, गीता हमें सिखाती है कि जगत और समाज की समस्त व्यवस्थाओं का केंद्र व्यक्ति स्वयं है, व्यक्ति ही समाज, राष्ट्र निर्माण की मूल इकाई है और व्यक्ति की उत्तरजीविता केवल कर्म के माध्यम से ही संभव है, बिना कर्म के व्यक्ति की कल्पना नहीं की जा सकती।

छात्र अजय ऑल इण्डिया बॉडी बिल्डिंग प्रतियोगिता मे लेगे भाग

मोर्निंग सिटी संवाददाता

भोगांव/मैनपुरी। आगामी 02 मार्च से 04 मार्च तक आध्रा विश्वविालय मे होने बाले ऑल इण्डिया बॉडी बिल्डिंग प्रयोगिता मे नेशनल महाविधालय के छात्र अजय कुमार का चयन होने पर प्राचार्य सहित शिक्षको ने बधाई देकर छात्र को विधालय से रवाना किया।

खेल शिक्षक रनवीर सिंह ने बताया कि छात्र अजय कुमार का चयन बॉडी बिल्डिंग में डॉ. भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय आगरा की टीम में हुआ था .02 मार्च से 4 मार्च तक आन्ध्रा विश्वविद्यालय में होने वाली ऑल इंडिया बॉडी बिल्डिंग प्रतियोगिता मे अजय प्रतिभाग करेगे। इस मौके पर प्राचार्य प्रो. एस.के. निमेष, डॉ.अनंत मिश्रा, डॉ. नेहा शाक्य, डॉ कीर्ति गुप्ता, कोच अरविंद राठौर आदि मौजूद थे।

छोटे बच्चों ने बनाए ऐसे प्रोजेक्ट देखते रह गए लोग

विज्ञान दिवस पर बच्चों की कला में जीता लोगों का दिल

मोर्निंग सिटी संवाददाता

किशनी/मैनपुरी। नगर में संचालित इंग्लिश मीडियम एसएस एनएमपी, पब्लिक स्कूल एवं एमएस पब्लिक स्कूल में शनिवार को आयोजित विज्ञान दिवस पर स्कूली बच्चों द्वारा कार्यक्रम बड़ी ही धूमधाम के साथ किया गया। कार्यक्रम में बच्चों ने बढ़चढ़कर हिस्सा लिया। और विज्ञान से जुड़ी ऐसी चीजे बनाई जिसको देखते ही अतिथि लोग हैरान रह गए।

कार्यक्रम का शुभारंभ तहसीलदार घासीराम और चेयरमैन प्रतिनिधि डैनी यादव ब इंजी अमेरिका निवासी राजाराम शर्मा ने दीप जलाकर ब सरस्वती माता के चित्र पर तिलक लगाकर किया। सबसे ज्यादा कमाल का प्रोजेक्ट था आधुनिक किशनी जिसे छोटे छोटे बच्चों ने बनाकर तैयार किया था। इस प्रोजेक्ट में पूरे नगर को दशार्या गया था। जिसमे तहसील से लेकर बड़े हॉस्पिटलों की भी बिल्डिंग दिखाई गई थी।

विद्यालय के डायरेक्टर गौरव यादव ने बताया कि ये विद्यालय का तीसरा अटेम्प्ट है आने वाले समय में और भी बेहतर तरीके से कार्यक्रमों को दिखाया जायेगा। कार्यक्रम का शुभारंभ कर तहसीलदार ब चेयरमैन प्रतिनिधि ने बच्चों से प्रोजेक्ट के बारे में जानकारी ली तो बच्चों के सवाल सुनकर बच्चों ब शिक्षकों को बधाई देकर विद्यालय के मैनेजर गौरव यादव को भी बधाई दी,बच्चो ने जो प्रोजेक्ट बनाए उनमें, ट्रैफिक लाइट, ओरोगनिक फार्मिंग, सोलर सिस्टम, ग्लोब, ज्वालामुखी, पवन चक्की, गोबर गैस, गैवर लाइट, इलेक्ट्रॉनिक टेस्टर, फैसिक ऑफ मुन, मानव कंकाल, संवैधानिक मौलिक अधिकार कर्तव्य, पाट्र्स आफलीफ ने राष्ट्रीय प्रतीक बनाय, विधालय स्टाप ने तहसीलदार ब चेयरमैन प्रतिनिधि को पौधा भी वितरण किए। इससे पूर्व विद्यालय प्रबंधक गौरव यादव ब सौरभ यादव ने दोनों मुख्य अतिथियों का माला पहनाकर ब प्रतीक चिन्ह देकर स्वागत किया, इस अवसर पर आमोद यादव, विवेक द्विवेदी, क्षेत्रपाल सिंह, अक्षय कुमार, प्रशांत,नेहा, शिखा, अर्चना आदि लोग मौजूद रहे।

एमएस पब्लिक स्कूल में मनाया विज्ञान दिवस

नगर में संचालित एमएस पब्लिक स्कूल में भी विज्ञान दिवस पर बच्चों द्वारा आकर्षक प्रोजेक्ट बनाकर तैयार किए गए और उनके बारे में विस्तार से जानकारी दी, कार्यक्रम का शुभारंभ अमेरिका निवासी इंजी राजाराम शर्मा ने दीप जलाकर किया, स्कूली बच्चों ने विज्ञान दिवस पर कई महत्वपूर्ण उपकरण बनाए और उनके बारे में जानकारी दी, जिस पर अमेरिका निवासी इंजी ने कहा कि इस विद्यालय का अभी पहला बर्ष है तब बच्चों की शिक्षा इतनी तेज है तो निश्चित ही आने वाले समय में यह विद्यालय नगर और जिले का नाम रोशन करेगा, इस अवसर पर दिगंबर यादव, धर्मेंद्र यादव बाबा, प्रबंधक दिनेश शर्मा, प्रधानाचार्य अंजली मिश्रा, विनय यादव, पुष्पेंद्र यादव, योगेश सर, राजमंगलम, पप्पू शर्मा आदि के साथ विद्यालय स्टाप ब अभिभावक मौजूद थे।

होली प्रेम और भाईचारे का पर्व, हर्षोल्लास से मनाएं

स्कूलों में अबीर गुलाल लगाकर छात्रो ने मनाई होली

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कुसमरा/मैनपुरी। रंगो के त्योहार होली को लेकर नगर सहित क्षेत्र के शिक्षण संस्थानों में बच्चों ने होली के अवकाश के बाद अपने अपने गुरुजनों के साथ अबीर गुलाल लगाकर आशीर्वाद लिया और होली का लुफ्त उठाया।

नगर के मां सरस्वती ज्ञान मन्दिर इंटर कालेज, विक्रम शिक्षा निकेतन इंटर कालेज, जेएस कालेज ऑफ एजुकेशनल, डीडी चिल्ड्रन स्कूल, न्यू लाइफ माडल स्कूल, एचएल मार्डन स्कूल, पाठक शिक्षा निकेतन आदि स्कूलों बच्चों रंग गुलाल उड़ाया। इस अवसर पर मां सरस्वती ज्ञान मन्दिर इंटर कालेज के प्रबंधक अरुण आचार्य ने स्कूली बच्चों के साथ होली खेलकर उनके दीघार्यु की कामना की। उन्होंने बच्चों से कहा कि होली प्रेम और भाईचारे का पर्व है इसे अपने अपने घर हर्षोल्लास के साथ मनाएं। साथ ही कीचड़ से दूर रहें रंगों के साथ होली का त्यौहार मनाएं।

इस पर सौरभ यादव, राजीव गुप्ता, रबी गुप्ता, कमलेश यादव, अखलेश पांडेय, एमपी गौतम, प्रभाकांत मिश्रा, आशीर्वाद मिश्र, राजीव त्रिपाठी, शिवम यादव, अलकेश कुमार, सुभाष चन्द्र, पुष्पेंद्र सिसौदिया, स्वामीशरन, प्रभाकर शाक्य, कुलदीप यादव, ज्योति पाल, काजल सैनी, सोनी तिवारी, आकांक्षा शाक्य सहित दर्जनों शिक्षक उपस्थित थे।

चलता ट्रक बना आग का गोला चालक ने कूदकर बचाई जान

ट्रांस यमुना क्षेत्र के शाहदरा चौराहे के पास देर रात हुआ हादसा, शॉर्ट सर्किट की आशंका

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। शुक्रवार देर रात शहर में एक बड़ा हादसा उस समय टल गया जब सड़क पर दौड़ता एक ट्रक अचानक आग का गोला बन गया। देखते ही देखते आग ने पूरे वाहन को अपनी चपेट में ले लिया। हालांकि चालक की सूझबूझ से जनहानि नहीं हुई और वह समय रहते ट्रक से कूदकर सुरक्षित बाहर निकल आया। घटना थाना ट्रांस यमुना क्षेत्र के शाहदरा चौराहे के पास रात करीब 1:30 बजे की है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, चलते ट्रक से अचानक धुआं निकलने लगा और कुछ ही क्षणों में आग की लपटें उठने लगीं।

आग इतनी भीषण थी कि कुछ ही मिनटों में ट्रक धू-धूकर जलने लगा। रात के सन्नाटे में आग की लपटें दूर तक दिखाई दे रही थीं, जिससे क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। ट्रक चालक कल्याण सिंह निवासी उड़नापुर, बड़ागांव भिखी, कानपुर देहात ने बताया कि वह दिबियापुर से प्लास्टिक बनाने का दाना लेकर जा रहा था। आगरा पहुंचने से पहले अचानक ट्रक में आग लग गई। स्थिति को भांपते हुए उसने तुरंत वाहन रोका और कूदकर अपनी जान बचाई। इसके बाद पुलिस और दमकल विभाग को सूचना दी गई।

सूचना मिलते ही शाहदरा चौकी इंचार्ज जितेंद्र सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। दमकल विभाग की गाड़ियों ने मौके पर पहुंचकर कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि तब तक ट्रक में लदा पूरा प्लास्टिक दाना जलकर राख हो चुका था। प्राथमिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है, हालांकि पुलिस पूरे मामले की विस्तृत जांच कर रही है। समय रहते चालक की सतर्कता से एक बड़ा हादसा टल गया, अन्यथा आसपास गुजर रहे वाहनों और राहगीरों के लिए स्थिति गंभीर हो सकती थी।

होली के त्योहार पर अवकाश पर भी खुलीं बैंकें

अब चार दिन तक नहीं होगा शाखाओं में कामकाज

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। होली पर लेन-देन का कार्य प्रभावित न हो, इसके लिए माह के चौथे शनिवार को अवकाश के दिन भी बैंकों का संचालन कराया गया। नियमानुसार बैंकें तो खुलीं, लेकिन ग्राहकों की संख्या बेहद कम रही। अब चार मार्च तक बैंकों में अवकाश रहेगा।

ज्ञात हो कि रिजर्व बैंक आफ इंडिया (आरबीआइ) की व्यवस्था के अनुसार प्रत्येक माह के दूसरे और चौथे शनिवार को बैंकों में सार्वजनिक अवकाश रहता है। इस दिन बैंकों का कार्य पूरी तरह से बंद रहता है। लेकिन होली को देखते हुए सभी कर्मचारियों के अवकाश रद कर शनिवार को अवकाश के दिन भी बैंकों का संचालन कराया गया। अग्रणी जिला प्रबंधक बैंक आफ इंडिया रामचंद्र साहा ने बताया कि रविवार को सार्वजनिक अवकाश होगा, उसके बाद होली की छुट्टियां पड़ जाएंगी। ऐसे में ग्राहकों को रुपयों के लेन-देन से संबंधित समस्या न हो, इसके लिए सभी शाखाओं का नियमानुसार संचालन कराया गया है। हालांकि, ग्राहकों की उपस्थिति न के बराबर ही रही है। अब रविवार से लेकर चार मार्च तक बैंकों में होली का अवकाश होगा। गुरुवार छह मार्च को विधिवत सभी बैंकों का संचालन कराया जाएगा।

होली से पहले खाद्य सुरक्षा विभाग का विशेष अभियान, खोया और गुझिया के नमूने भरे

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। आगामी होली पर्व के मद्देनजर जनपद में मिलावटी खाद्य पदार्थों की बिक्री पर रोक लगाने के उद्देश्य से खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने विशेष छापामार अभियान चलाया। यह कार्रवाई आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन उत्तर प्रदेश के आदेश तथा जिलाधिकारी आगरा के निर्देशन में की गई।

अभियान के तहत शुक्रवार को विभागीय टीम ने बालूगंज स्थित खोया मंडी से खोये का एक नमूना तथा खेरागढ़ क्षेत्र में स्थित जय दाऊ जी मिष्ठान भंडार से गुझिया का नमूना संग्रहित किया। अधिकारियों ने बताया कि होली के अवसर पर मावा, खोया, गुझिया और अन्य मिठाइयों की मांग बढ़ जाती है, जिसे देखते हुए गुणवत्ता की सघन जांच की जा रही है। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने दुकानदारों को स्वच्छता मानकों का पालन करने और मानक गुणवत्ता के खाद्य पदार्थ ही विक्रय करने के निर्देश दिए। विभाग का कहना है कि संग्रहित नमूनों को प्रयोगशाला भेजा गया है और रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। विभाग ने आमजन से अपील की है कि त्योहार के दौरान खाद्य सामग्री खरीदते समय गुणवत्ता, पैकिंग, निर्माण तिथि और स्वच्छता का विशेष ध्यान रखें। साथ ही किसी भी प्रकार की मिलावट या संदिग्ध खाद्य पदार्थ की सूचना विभाग को देने का आग्रह किया गया है। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने स्पष्ट किया है कि होली तक यह विशेष अभियान निरंतर जारी रहेगा और मिलावटखोरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

हर्षोल्लास के साथ निकली श्री राधा-माधव की भव्य पालकी यात्रा, गुलाल और मृदंग की थाप पर झूमे भक्त

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़। आवास विकास कॉलोनी स्थित श्री श्री राधा माधव मन्दिर द्वारा प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी रंगभरनी एकादशी के पावन अवसर पर भव्य पालकी यात्रा का आयोजन किया गया। श्रीला भक्ति वेदांत नारायण गोस्वामी महाराज की विशेष कृपा से निकाली गई इस यात्रा में पूरी आवास विकास कॉलोनी राधा-कृष्ण के जयकारों से गुंजायमान हो उठी।

भक्तिमय रहा यात्रा मार्ग श्रीपाद पुनीत प्रभु के सानिध्य में निकाली गई इस पालकी यात्रा में श्रद्धालु गुलाल, मृदंग, ढोल और नगाड़ों के साथ पूरे जोश और उत्साह के साथ शामिल हुए। यात्रा का शुभारंभ आवास विकास कॉलोनी से हुआ, जिसके बाद यह मसूदाबाद होली चौक, बारह ?द्वारी, सराय लवरिया, रघुवीर पुरी और शक्ति नगर जैसे विभिन्न क्षेत्रों से होते हुए वापस राधा माधव मंदिर पर पहुँचकर संपन्न हुई। मार्ग में भक्तों ने पुष्प वर्षा कर पालकी का भव्य स्वागत किया। आगामी उत्सवों की दी जानकारी मंदिर के सेवायत श्रीपाद पुनीत प्रभु ने मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि होली के उपलक्ष्य में मंदिर में कार्यक्रमों की एक विस्तृत श्रृंखला आयोजित की जा रही है।

उन्होंने क्षेत्रवासियों को आमंत्रित करते हुए आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी जिसमें 1 मार्च (रविवार): भव्य फूलों की होली (सायं 6:30 बजे से) 2 मार्च (सोमवार): पारंपरिक लठमार होली (सायं 6:30 बजे से) 3 मार्च (मंगलवार): गौर पूर्णिमा महोत्सव, सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं महाअभिषेक (सायं 7:00 बजे से) 4 मार्च (बुधवार): मुख्य होली उत्सव (प्रातः 9:00 बजे से) पुनीत प्रभु ने कहा कि इन आयोजनों का उद्देश्य समाज में प्रेम, सद्भाव और भक्ति का प्रसार करना है। उन्होंने सभी भक्तों से सपरिवार इन कार्यक्रमों में सम्मिलित होने का आह्वान किया है।

सरकार बच्चों की शिक्षा के प्रति बेहद गम्भीर

मोर्निंग सिटी संवाददाता

भोगांव/मैनपुरी। विद्यालयों में निपुण लक्ष्य की संप्रति हेतु पूर्व प्राथमिक शिक्षा का सुदृढ़ीकरण एवं समुदाय के मध्य उसकी जागरूकता होना बहुत आवश्यक है सरकार बच्चो के शैक्षित स्तर को सुधारने के लिये कई कार्यक्रम सचालित कर रही है जिससे बच्चो को पूर्ण रूप से शिक्षित बनाया जा सके।

ये बाते ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि कश्मीर सिंह राजपूत ने बीआरसी पर आयोजित हमारा आगन हमारे बच्चे उत्सव कार्यक्रम मे मौजूद शिक्षको एंव बच्चो से व्यक्त किए। उन्होने कहा कि प्रदेश सरकार बच्चो के सवार्गीण विकास के लिये कई योजनाये सचालित कर रही है सरकार का लक्ष्य है कि न तो कोई बच्चा अशिक्षित रहे और न ही कोई कुपोषण का शिकार हो। खण्ड शिक्षाधिकारी सर्वेश सिंह ने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों और विद्यालय में संचालित को- लोकेटेड आंगनबाड़ी केंद्र निपुण प्रदेश का लक्ष्य प्राप्त करने हेतु बहुत आवश्यक है। इस मौके पर शिखा सिंह, जितेन्द्र सिंह बाथम रत्नेश शाक्य,बृजेश प्रताप सिंह, कुलदीप कुमार मोहम्मद रफी, अवधेश सिंह, कैलाश सिंह कुशवाहा, राजकरन, नवीन सक्सेना, शालिनी चतुर्वेदी, मीरा सिंह, बहारुद्दीन आदि मौजूद थे।

विकास भवन में अधिकारी एवं कर्मचारियों ने खेली होली

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़। विकास भवन परिसर में अधिकारियों और कर्मचारियों ने मिलकर हर्षोल्लास के साथ होली का पर्व मनाया। रंगों के इस त्योहार पर पूरे परिसर में उत्साह और उमंग का माहौल देखने को मिला। इस अवसर पर सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं और आपसी भाईचारे, सौहार्द एवं सद्भाव का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान मिठाइयों का वितरण भी किया गया तथा सभी ने मिलकर होली के पारंपरिक गीतों का आनंद लिया। होली मिलन समारोह में मौजूद अधिकारियों ने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से आपसी समन्वय और सौहार्द बढ़ता है तथा कार्यस्थल का वातावरण भी सकारात्मक बनता है। पूरे कार्यक्रम के दौरान उल्लास और आत्मीयता का माहौल बना रहा।

होली पर उज्ज्वला परिवारों को गैस रिफिल सब्सिडी, जिले के 3.22 लाख लाभार्थी आच्छादित

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़ । होली के अवसर पर प्रदेश सरकार द्वारा 1500 करोड़ रुपये की धनराशि से एक करोड़ 40 लाख उज्ज्वला परिवारों को गैस सिलेंडर रिफिल सब्सिडी प्रदान की गई। लखनऊ में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम का कृष्णांजलि नाट्यशाला में सजीव प्रसारण किया गया, जिससे जिले के 3 लाख 22 हजार लाभार्थी परिवार लाभान्वित हुए। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बटन दबाकर सब्सिडी की

तालाब की जगह पर नामजद कर रहे कब्जा

मोर्निंग सिटी संवाददाता

किशनी/मैनपुरी। थाना क्षेत्र के गांव नारायणपुर निवासी नवल किशोर पुत्र मुंशीलाल शाक्य ने पुलिस से शिकायत की है। बताया तालाब की भूमि पर अवैध तरीके से मकान निर्माण कर अवैध कब्जा कालिका प्रशाद पुत्र भगवान दास शाक्य व अन्य लोग कर रहे है। कहासुनी करने पर झगड़ा करते हैं।पीड़ित ने पुलिस से मकान निर्माण कार्य को रोकने की मांग की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मकान विवाद में मारपीट और फायरिंग, चार आरोपी गिरफ्तार

आगरा। मकान विवाद को लेकर हुए मारपीट और फायरिंग के मामले में किरावली थाना पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि विवाद के दौरान आरोपियों ने वादी के साथ मारपीट की, जान से मारने की नीयत से फायरिंग की और मकान की दीवार भी तोड़ दी। यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट आगरा के निर्देश तथा पुलिस उपायुक्त पश्चिमी जोन और सहायक पुलिस आयुक्त अछनेरा के पर्यवेक्षण में की गई। मामला वादी सत्यवीर निवासी ग्राम जिटोरा, थाना किरावली की लिखित तहरीर पर दर्ज किया गया था। तहरीर में बताया गया कि मकान के विवाद को लेकर आरोपियों ने हमला कर दिया और जानलेवा फायरिंग की। कार्रवाई करते हुए पुलिस ने जयवीर पुत्र चंद्रभान निवासी मलपुरा, किशन पाल पुत्र चंद्रभान निवासी काठवाई, उमेंद्र उर्फ कुमेंद्र पुत्र जयपाल सिंह निवासी भिलावटी तथा हेमेंद्र पुत्र शिव सिंह निवासी भिलावटी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो डंडे और दो लोहे की रॉड भी बरामद की हैं। पुलिस का कहना है कि मामले में अन्य तथ्यों की भी जांच की जा रही है और आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक संपन्न

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़। जिलाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता में कलैक्ट्रेट सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक का आयोजन किया गया। डीएम ने कहा कि जिले में सभी मरीजों एवं जरूरतमंदों को समय से गुणवत्तापरक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराना न केवल हमारी शासकीय बल्कि मानवीय जिम्मेदारी भी है। उन्होंने चिकित्सकों को निर्देशित किया कि उपलब्ध संसाधनों का समुचित उपयोग करते हुए चिकित्सालय में आए हुए मरीजों को संवेदनशीलता से सुनते हुए उनकी समस्याओं का निराकरण करें।

समीक्षा के दौरान आईपीडी, सामान्य शल्य चिकित्सा और संस्थागत प्रसवों में आई कमी और चिकित्सकीय सुविधाओं में गिरावट पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की। स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा में 100 शैय्या अस्पताल अतरौली में विगत वर्ष के सापेक्ष एक्स-रे में जहां 94 की वहीं पैथोलॉजी सेवाओं में 1006 की कमी दर्ज की गई। डीएम ने कहा कि चिकित्सक एवं पैरामेडिकल स्टाफ सेवा भाव से कार्य करें, जिससे आमजन को बेहतर उपचार और सुविधाएं मिल सकें। संस्थागत प्रसव की समीक्षा में सीएचसी लोधा, बेसवां, गोंडा, इगलास की खराब स्थिति पर आशावार समीक्षा करने के निर्देश दिए गए।

मेटरनल डेथ की समीक्षा में फरवरी माह में 03 प्रकरण आए जोकि सभी जेएनएमसी के रहे। जेएनएमसी गायनी चेयरपर्सन डा0 जेहरा मोहसिन ने विस्तृत जानकारी देते हुए सभी चिकित्सकों से आग्रह किया कि गंभीर प्रकरणों को समय रहते मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर करें ताकि उनके समुचित ईलाज का समय मिल सके और ऐसे मरीजों की जान बचाई जा सके। परिवार नियोजन कार्यक्रम की समीक्षा में पाया गया कि लगभग 84.4 प्रतिशत लक्ष्य पूर्ण कर लिया गया गया है। वैक्टर जनित कार्यक्रम में नगर स्वास्थ्य अधिकारी को स्वास्थ्य विभाग से समन्वय कर कार्य करने के निर्देश देते हुए डीएम ने कहा कि टारगेट क्षेत्रों पर ही फोकस कर कार्य करें। राष्ट्रीय कुष्ठ निवारण कार्यक्रम की समीक्षा में पाया गया कि जिले प्रति एक लाख व्यक्तियों पर 2.3 व्यक्ति का औसत है जिसे 1 से कम पर लाना है। अभियान के तहत इसमें 0.6 की कमी आई है। आयुष्मान योजना की समीक्षा में 1700 आई डी होने पर भी प्रतिदिन 600-700 कार्ड बनने पर डीएम ने नाराजगी प्रकट करते हुए कहा कि इनएक्टिव आईडी की समीक्षा कर प्रभावी कार्यवाही करें। इसके साथ ही बैठक में एनक्वास प्रोग्राम, ई-कचच, आभा आई-डी, आशा भुगतान, अंधता निवारण कार्यक्रम, ई-संजीवनी समेत विभिन्न स्वास्थ सेवाओं की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक में सीएमओ डा0 नीरज त्यागी समेत सभी सीएमएस, एमओआईसी, अन्य चिकित्सकगण एवं संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

होली की छुट्टियों से पहले बच्चों एंव अधिवक्ताओ ने खेली होली

मोर्निंग सिटी संवाददाता

भोगांव/मैनपुरी। रंगो के पर्व होली की छुट्टियो से पहले शनिवार को विधालयो एंव तहसील मे अधिवक्ताओ ने होली खेलकर एक दूसरे को होली की बधाई दी। शनिवार को उच्च प्राथमिक विधालय बीलो, प्राथमिक विधालय जगतपुरा, आर एस एकाडमी मे बच्चो ने होली खेलकर जमकर धमाल मचाया। इस मौके पर नवीन सक्सेना, शिवम मिश्रा, आशीष यादव, दीपक कुमार, जगदीश यादव आदि मौजूद थे तो वही नगर के तहसील परिसर मे परिषद के अध्यक्ष प्रवोध विक्रम सिंह ने होली खेलकर एक दूसरे को होली की बधाई दी। इस मौके पर जयकुमार दुबे, नवल दुबे, श्याम सिंह शाक्य, मुकुट बिहारी, अजय दीक्षित, आमोद दुबे, राजेश पाण्डेय, संजीव तिवारी आदि मौजूद थे।

दिशा बैठक में विकास कार्यों की गहन समीक्षा

सांसद राजकुमार चाहर की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्री एस.पी. सिंह बघेल की मौजूदगी, अधिकारियों को समयबद्ध अनुपालन के निर्देश

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। विकास भवन सभागार में जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति (दिशा) की बैठक सांसद फतेहपुर सीकरी राजकुमार चाहर की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में केंद्रीय मंत्री प्रो. एस.पी. सिंह बघेल की गरिमामयी उपस्थिति रही। बैठक में विभिन्न केंद्रीय एवं राज्य योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को समयबद्ध और प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

बैठक की शुरूआत रेलवे, डाक विभाग और बीएसएनएल के कार्यों की समीक्षा से हुई। सेंट जॉन्स रेलवे पुल चौड़ीकरण प्रस्ताव पर प्रभावी पहल करते हुए रेलवे और पीडब्ल्यूडी विभाग के समन्वय से धनराशि निर्गत कर कार्य शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए। रुई की मंडी फाटक, पनवारी फाटक, खेरिया रेलवे पुल चौड़ीकरण एवं विभिन्न स्थानों पर उपरगामी सेतु निर्माण हेतु सर्वे कर विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर रेलवे डीआरएम, पीडब्ल्यूडी, जिलाधिकारी व जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक कर कार्ययोजना बनाने को कहा गया। बीएसएनएल की समीक्षा में राजस्थान और मध्यप्रदेश सीमा से सटे ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर कनेक्टिविटी के लिए टॉवर स्थापना संबंधी प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए गए। डाक विभाग के आधार केंद्रों पर सीमित संख्या में करेक्शन किए जाने पर नाराजगी जताते हुए सभी आवेदकों के आधार संशोधन सुनिश्चित करने को कहा गया। बैठक में रेलवे डीआरएम और डाक अधीक्षक की अनुपस्थिति पर स्पष्टीकरण तलब करने के निर्देश भी दिए गए। धनौली पंचायत को नगर निगम में शामिल किए जाने हेतु प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए गए। खेरिया से मलपुरा रोड को मॉडल रोड बनाने के प्रस्ताव पर डिवाइडर निर्माण की उपयोगिता पर सवाल उठाते हुए पहले अतिक्रमण हटाने और तकनीकी जांच कराने के निर्देश दिए गए। मेट्रो परियोजना की समीक्षा में बताया गया कि 8379 करोड़ रुपये की लागत से कार्य प्रगति पर है। बिजलीघर से आईएसबीटी तक मार्च तक, आगरा कॉलेज लाइन का कार्य अक्टूबर तक तथा संपूर्ण परियोजना जून 2027 तक पूर्ण होने की संभावना जताई गई। सांसद ने गड्ढों की मरम्मत और सुचारू आवागमन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

एनएचएआई की समीक्षा के दौरान सिकंदरा, ग्वालियर रोड, एत्मादपुर और खंदौली क्षेत्रों में नालों की सफाई व जल निकासी में लापरवाही पर कड़ी चेतावनी दी गई। नगरायुक्त और एनएचएआई की संयुक्त टीम से मौके पर जांच कर समस्या समाधान के निर्देश दिए गए। मनरेगा योजना के अंतर्गत 2092 चक मार्गों में से 1557 के पूर्ण होने की जानकारी दी गई। शेष कार्य शीघ्र पूर्ण कराने तथा उपयोगी एवं टिकाऊ कार्यों को प्राथमिकता देने को कहा गया। नमामि गंगे योजना के तहत मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में समिति गठित कर तीन माह में गांव-गांव जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री सड़क योजना, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, अमृत योजना, सर्व शिक्षा अभियान, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, मध्याह्न भोजन योजना सहित अन्य योजनाओं की भी समीक्षा की गई। सांसद ने निर्देश दिया कि समिति द्वारा दिए गए निदेशों का समयांतर्गत अनुपालन सुनिश्चित किया जाए तथा जनसमस्याओं का त्वरित निस्तारण हो।

बैठक में राज्यसभा सदस्य नवीन जैन, विधायकगण, महापौर, एमएलसी, सहकारी बैंक अध्यक्ष, मुख्य विकास अधिकारी एवं अन्य संबंधित अधिकारी और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक में विकास कार्यों की गति तेज करने और योजनाओं का लाभ पात्रों तक समय से पहुंचाने पर विशेष जोर दिया गया।

छोटी खबरें

यूजीसी बिल व एससी-एसटी एक्ट के विरोध में धरना 22वें दिन भी जारी

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। यूजीसी बिल एवं एससी-एसटी एक्ट के विरोध में राष्ट्रीय सवर्ण परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंकज धवरैय्या का धरना रविवार को 22वें दिन भी जारी रहा। धरने को आज कई संगठनों के पदाधिकारियों ने पहुंचकर समर्थन दिया। अनुज त्रिवेदी (प्रदेश अध्यक्ष), छेदेलाल तिवारी (मंडल संरक्षक), कुलदीप पाण्डेय (प्रदेश अध्यक्ष, अखिल भारतीय जनसंघ लखनऊ) अपनी टीम के साथ पहुंचे। इसके अलावा डॉ. विनीतानंद आचार्य कथा प्रवक्ता सहित सैकड़ों समर्थक एवं समाज के लोग धरनास्थल पर मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय सवर्ण परिषद के नेतृत्व में दिल्ली के लिए पदयात्रा का प्रस्थान प्रस्तावित था, लेकिन प्रशासन द्वारा पंकज धवरैय्या एवं उनके समर्थकों को हाउस अरेस्ट कर दिया गया। तभी से वे अपने आवास के बाहर बैठकर धरना दे रहे हैं।

सासनी में रंगभरी एकादशी पर भव्य राधा-कृष्ण शोभायात्रा

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। रंगभरी एकादशी के पावन अवसर पर सासनी नगर में आयोजित राधा-कृष्ण शोभायात्रा ने इस वर्ष ऐतिहासिक स्वरूप ले लिया। अयोध्या चौक से प्रारंभ हुई शोभायात्रा में नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। शोभायात्रा का शुभारंभ नगर पंचायत अध्यक्ष राजीव कुमार वार्ष्णेय,डॉ. विकास शर्मा, विनय कुमार गुप्ता, एवं वकील वार्ष्णेय द्वारा संयुक्त रूप से फीता काटकर किया गया। इस अवसर पर डॉ. विकास शर्मा ने कहा कि ऐसे आयोजन समाज को जोड़ने का कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि सनातन संस्कृति हमारी सबसे बड़ी पहचान है और समाज की एकता व सांस्कृतिक जागरूकता से ही राष्ट्र सशक्त बनता है। नगर के विभिन्न मार्गों से गुजरती शोभायात्रा में पुष्पवर्षा, गुलाल और जयघोष से वातावरण भक्तिमय हो उठा। बैंड-बाजों की धुनों और राधा-कृष्ण के जयकारों से पूरा क्षेत्र गूंजता रहा। देर रात तक चले रसिया कार्यक्रम में लोगों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई। आयोजन में क्षेत्र के जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक भी उपस्थित रहे।

अमरपुर घना में विशेष ग्राम चकबंदी अदालत आयोजित

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। सासनी विकास खंड की ग्राम पंचायत अमरपुर घना में विशेष ग्राम चकबंदी अदालत का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत न्याय जनता के द्वार पहल के तहत न्यायिक अपर जिलाधिकारी प्रकाश चंद्र ने ग्राम में चल रही चकबंदी प्रक्रिया को लेकर ग्रामीणों से सहयोग की अपील की और उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने कहा कि चकबंदी कार्य पारदर्शिता और आपसी सहमति से संपन्न हो, इसके लिए ग्रामीणों का सहयोग आवश्यक है। इस अवसर पर चकबंदी विभाग के एसीओ, कानूनगो, लेखपाल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। ग्राम प्रधान ओमेंद्र बघेल एवं ग्राम के नागरिकों ने भी अदालत में भाग लेकर अपनी बातें रखीं। कार्यक्रम के दौरान भूमि संबंधी विवादों और आपत्तियों पर सुनवाई की गई तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बड़ी होली किला गेट पर होलिका दहन 3 मार्च को प्रातः 5:20 बजे

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। शहर की बड़ी होली किला गेट पर होलिका दहन 3 मार्च मंगलवार को प्रातः 5:20 बजे होगा। यह शास्त्र सम्मत समय बड़ी होली प्रबंधक रामगोपाल आँधीवाल ने शहर के विद्वानों धर्माचार्यों एवं सामाजिक प्रबुद्धजनों तथा विशेष सहयोगी डा. ओ.पी. शर्मा, राजीव आँधीवाल, संजीव आँधीवाल, राजू आँधीवाल, मनोज आँधीवाल एडवोकेट, सीताराम मिश्रा, दिनेश पंडित, कौशल किशोर, मुकुल दीक्षित, मयंक गौतम से विचारोपरान्त निश्चित हुआ है। बड़ी होली के प्रबंधक ने बताया है कि बड़ी होली किला गेट पर होलिका दहन 3 मार्च मंगलवार को प्रातः 5:20 बजे वैदिक रीति से किया जायेगा। होलिका दहन से पहले पूर्व पालिकाध्यक्ष पं. आशीष शर्मा द्वारा की गयी जनहितकारी सेवाओ के लिए उनका नागरिक अभिनन्दन डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष अतुल आँधीवाल एडवोकेट के संयोजन में किया जायेगा। यह जानकारी बड़ी होली प्रबंधक रामगोपाल आँधीवाल ने दी है।

नगला भुस में युवक ने फांसी लगाई, उपचार के दौरान मौत

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। थाना चंदपा क्षेत्र के गांव नगला भुस में शुक्रवार सुबह करीब 20 वर्षीय युवक सूरज पुत्र नाथूराम की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। उसका शव घर के कमरे में पंखे से फंदे पर लटका मिला। परिजन उसे तत्काल जिला अस्पताल ले गए, जहां उपचार के दौरान डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। परिजनों के अनुसार युवक का गांव की एक युवती से प्रेम प्रसंग था। हाल ही में दोनों को साथ देखे जाने के बाद हुए विवाद से वह आहत बताया जा रहा है। घटना के बाद वह परिवार से नाराज चल रहा था। सूचना पर थाना चंदपा पुलिस अस्पताल पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। कोतवाली प्रभारी श्याम सिंह ने बताया कि फॉरेंसिक टीम ने भी मौके का निरीक्षण किया है। अभी तक किसी पक्ष से तहरीर नहीं मिली है, मामले की जांच की जा रही है।

सरस्वती विद्या मन्दिर इंटर कॉलेज में हर्षोल्लास से मनाया गया होली उत्सव

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। सरस्वती विद्या मन्दिर इंटर कॉलेज लेबर कॉलोनी में होली कार्यक्रम हर्षोल्लास एवं सांस्कृतिक उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर रंग, संगीत और उल्लास से सराबोर रहा। इस अवसर पर आचार्यों ने बृज के रसिया पर धूमधाम से नृत्य प्रस्तुत किए तथा होली से संबंधित गीतों का गायन किया, जिससे वातावरण पूर्णतः उत्सवमय हो गया। प्रस्तुतियों ने भारतीय संस्कृति और परंपरा की सुंदर झलक प्रस्तुत की। कार्यक्रम में अध्यक्ष पुरुषोत्तम राठी , प्रबंधक मनोज अग्निहोत्री , प्रधानाचार्य लोकेन्द्र नाथ शर्मा एवं उपप्रधानाचार्य सतीश कुमार सारस्वत उपस्थित थे। सभी अतिथियों ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए ऐसे आयोजनों को संस्कार और सांस्कृतिक चेतना का संवाहक बताया।कार्यक्रम की सफलता में समस्त विद्यालय परिवार का सराहनीय योगदान रहा। अंत में सभी ने परस्पर शुभकामनाएँ देकर कार्यक्रम का समापन किया गया।

आगामी होली पर्व खुद दृष्टिगत रखते हुए जनपद का खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग एक्शन में

खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने अभियान चलाकर विभिन्न प्रतिष्ठानों से 07 खाद्य पदार्थों के नमूने किए संग्रहित

मोर्निंग सिटी संवाददाता

गौतम बुद्ध नगर। आगामी होली पर्व के दृष्टिगत जनपद वासियों को शुद्ध खाद्य एवं पेय पदार्थ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग के अधिकारीगण खाद्य प्रतिष्ठानों पर छापेमारी कर खाद्य पदार्थों के नमूने जांच हेतु संग्रहित कर रहे हैं।

इसी श्रृंखला में सहायक आयुक्त खाद्य द्वितीय सर्वेश मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि आज खाद्य सुरक्षा अधिकारी रविंद्र नाथ वर्मा, मुकेश कुमार एवं विजय बहादुर पटेल की टीम द्वारा सेक्टर 93 नोएडा स्थित ब्लिंकिट स्टोर से गुझिया का 01नमूना तथा ओमिक्रोन ग्रेटर नोएडा स्थित फ्लिप कार्ट इंस्टाग्राम से घी का 01 नमूना लिया गया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी ओ पी सिंह एवं एस के पांडेय की टीम द्वारा सफाबाद सेक्टर 75 नोएडा स्थित जेप्टो स्टोर से गुझिया के 02 नमूने तथा होशियारपुर नोएडा स्थित जेप्टो स्टोर से पनीर के 02 नमूनें लिए गए। खाद्य सुरक्षा अधिकारी सय्यद इबादुल्लाह द्वारा सेक्टर-14 अ नोएडा से जोमैटो के डिलीवरी बॉय से 01 नमूना काजू बर्फी का लिया गया। इस प्रकार कुल 07 नमूनें लेकर जांच हेतु प्रयोगशाला प्रेषित किये गये।

सहायक आयुक्त खाद्य द्वितीय ने बताया कि आगे भी इसी प्रकार से जिलाधिकारी के निर्देशन में जांच अभियान संचालित करते हुए नमूने संग्रहित करने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी, ताकि जनपद वासियों को निर्धारित मानकों के अनुरूप शुद्ध खाद्य एवं पेय पदार्थ उपलब्ध हो सके।

हाथरस के चौपाल सागर में तीन दिवसीय किसान मेला शुरू

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। चौपाल सागर परिसर में तीन दिवसीय किसान मेले का शुभारंभ किया गया। मेले का उद्घाटन परियोजना निदेशक राजेश कुरील द्वारा किया गया। इस अवसर पर चौपाल सागर के एडवाइजर सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

मेले के दौरान किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें कृषि से जुड़ी नई तकनीकों और योजनाओं पर चर्चा की गई। स्पॉन्सर कंपनी महिंद्रा की ओर से चौपाल सागर के एक ग्राहक किसान को स्कॉर्पियो की चाबी सौंपकर वाहन प्रदान किया गया।

किसान मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए, जिनमें प्रतिदिन सैकड़ों किसान भाग ले रहे हैं। विभिन्न कंपनियों ने अपने स्टॉल लगाए, जहां किसानों ने कृषि उपकरण, बीज व अन्य उत्पादों की जानकारी ली और खरीदारी भी की।

आयोजन में चौपाल सागर के आयोजक

परवेज खान, नारायण, प्रमोद जोशी, अनुराग शुक्ला, अनूप गुप्ता, सुखप्रीत सिंह, शुभम दीक्षित एवं स्टाफ कर्मचारी मौजूद रहे।

यह मेला किसानों के लिए नई तकनीक, उत्पाद और बाजार से जुड़ने का एक महत्वपूर्ण मंच बनकर उभरा है।

होली पर्व पर उज्ज्वला लाभार्थियों को बड़ी सौगात , 1,500 करोड़ की सब्सिडी से 1.86 करोड़ परिवारों को लाभ

मोर्निंग सिटी संवाददाता

गौतमबुद्धनगर। होली के पावन एवं उल्लासमय पर्व के अवसर पर प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अंतर्गत प्रदेश सरकार द्वारा गैस सिलेंडर रिफिल सब्सिडी वितरण कार्यक्रम का भव्य आयोजन लोक भवन, लखनऊ में मा0 मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। ?1,500 करोड़ की धनराशि से प्रदेश के 1.86 करोड़ उज्ज्वला लाभार्थी परिवारों को लाभान्वित किया गया। होली के अवसर पर दी गई यह सौगात प्रदेश सरकार की गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों के प्रति संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता का परिचायक है।

इसी क्रम में जनपद गौतमबुद्धनगर के कलेक्ट्रेट परिसर में जनपद स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन गरिमामय वातावरण में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में माननीय भाजपा जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लाभार्थी महिलाएं उत्साहपूर्वक उपस्थित रहीं। लोक भवन, लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम का सजीव प्रसारण एलईडी स्क्रीन के माध्यम से कलेक्ट्रेट परिसर में किया गया, जिसे उपस्थित जनसमूह ने ध्यानपूर्वक देखा।

कार्यक्रम के दौरान माननीय भाजपा जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा व मुख्य विकास अधिकारी डॉक्टर शिवाकांत द्विवेदी ने चयनित 50

उज्ज्वला लाभार्थियों को गैस सिलेंडर रिफिल सब्सिडी की धनराशि के प्रतीकात्मक चेक वितरित किए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि ह्लप्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना ने माताओं और बहनों को धुएं से मुक्ति दिलाकर उनके स्वास्थ्य और सम्मान की रक्षा की है। होली जैसे पारिवारिक एवं सामाजिक पर्व पर यह सब्सिडी आर्थिक संबल प्रदान करेगी तथा परिवारों की रसोई को और अधिक सशक्त बनाएगी। सरकार का उद्देश्य है कि कोई भी पात्र परिवार योजना के लाभ से वंचित न रहे।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी भू0अ0 बच्चू सिंह, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अतुल कुमार, प्रभारी जिला पूर्ति अधिकारी स्मृति गौतम, पूर्ति निरीक्षक एवं अन्य संबंधित अधिकारीगण तथा लाभार्थी महिलाएं उपस्थित रहीं।

प्रभारी जिला पूर्ति अधिकारी स्मृति गौतम ने बताया कि योजना के प्रथम चरण (अक्टूबर 2025 से दिसंबर 2025) तथा द्वितीय चरण (जनवरी 2026 से मार्च 2026) के अंतर्गत निशुल्क सिलेंडर रिफिल प्रदान किया जाना है। जनपद में 50 चयनित लाभार्थियों को 550.5 की सब्सिडी धनराशि के प्रतीकात्मक चेक वितरित किए गए। 14.2 किलोग्राम सिलेंडर की कीमत 850.5 है, जिसमें 550.5 राज्य सरकार एवं 300 केंद्र सरकार द्वारा सब्सिडी के रूप में प्रदान किए जा रहे हैं।

हिन्दू सम्मेलन आयोजित

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। प्रेम रघु मेडिकल कॉलेज के हाल में हिन्दू सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित व पुष्प अर्पित कर किया गया।

मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग सह शारीरिक प्रमुख अमरवीर सिंह ने कहा कि संघ का उद्देश्य समस्त हिन्दू समाज का संगठन करना है। उन्होंने कहा कि संघ का शताब्दी वर्ष केवल वर्षों की गणना नहीं, बल्कि विचार और साधना की यात्रा है। उन्होंने समाज की एकजुटता पर बल देते हुए भारत को विश्व में अग्रणी बनाने का आह्वान किया।

समाजसेवी दीप्ती वार्ष्णेय ने परिवार स्तर पर बच्चों को धर्म व संस्कृति की शिक्षा देने पर जोर दिया। वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. यूएस गौड़ ने युवाओं से राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान की अपील की। कार्यक्रम की अध्यक्षता शरद तिवारी ने की तथा संचालन अमित गौतम ने किया। कॉलेज प्रबंधक डॉ. पीपी सिंह ने उपस्थित जनों का आभार व्यक्त किया। अंत में भारत माता की आरती के साथ सम्मेलन का समापन हुआ। कार्यक्रम में संघ पदाधिकारी व नगर के गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

चंद्रशेखर आजाद की 95वीं पुण्यतिथि पर होली मिलन कवि सम्मेलन

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की 95वीं पुण्यतिथि के अवसर पर चौपाल सागर महोत्सव के तहत भव्य होली मिलन कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। संस्कार भारती, राष्ट्रीय कवि संगम और बृज कला केन्द्र के संयुक्त तत्वावधान में हुए कार्यक्रम का उद्घाटन पूर्व विधायक यशपाल सिंह चौहान और डीआरडीए के परियोजना निदेशक राजेश कुरील ने किया।

कार्यक्रम की शुरूआत चंद्रशेखर आजाद के चित्र पर माल्यार्पण से हुई। विशिष्ट अतिथियों में नारायण गुंदूर, परवेज खान और प्रमोद जोशी सहित अनेक कवियों ने श्रद्धांजलि अर्पित की। अध्यक्षता कर रहे श्यामबाबू चिन्तन ने राधाकृष्ण वंदना

से काव्य पाठ का शुभारंभ किया। आशु कवि अनिल बौहरे ने शहीदों को नमन करते हुए कहा– होली मिलन, याद करें शहीदों की कुबार्नी को, मिलकर कहें अमर आजाद की कहानी को। वरिष्ठ कवि चेतन्य उपाध्याय ,कवयित्री मीरा दीक्षित , सोनाली वार्ष्णेय हास्य कवि पंडित हाथरसी ने काव्य पाठ किया ,कार्यक्रम का संचालन ब्रज कला केंद्र के अध्यक्ष चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य ने किया। घुमंतू कवि गाफिल स्वामी ने भी शहीदों को नमन किया। इस अवसर पर एआर शर्मा, जीवन लाल शर्मा, चौधरी जयवीर सिंह, अनुराग शुक्ला, अनूप गुप्ता, सुखप्रीत सिंह सुखी, सोम दीक्षित सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम देशभक्ति और होली के रंगों से सराबोर रहा।

जायंट्स ग्रुप ऑफ हाथरस पहल का अधिष्ठापन समारोह संपन्न

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस । जायंट्स ग्रुप ऑफ हाथरस पहल का अधिष्ठापन समारोह एक रेस्टोरेंट में हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम में नई कार्यकारिणी को विधिवत शपथ ग्रहण कराया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष श्रीमती नीती बर्मन एवं सचिव श्रीमती ज्योति अग्रवाल ने पद की शपथ लेकर समाजसेवा के प्रति पूर्ण समर्पण का संकल्प लिया। मुख्य अतिथि के रूप में एसीएमओ डॉ. राजीव गुप्ता उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में बोहरे बृजमोहन शर्मा, अशोक अग्रवाल, श्रीमती गुंजन दीक्षित, मदन मोहन वार्ष्णेय एवं यूनिट डायरेक्टर श्रीमती सीमा वार्ष्णेय मंचासीन रहे। मुख्य अतिथि डॉ. राजीव गुप्ता ने कहा कि संस्था समाजसेवा के क्षेत्र में सराहनीय कार्य कर रही है और नई टीम से स्वास्थ्य, शिक्षा व महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय पहल की अपेक्षा है। उन्होंने अंगदान को महादान बताते हुए लोगों से अंगदान के प्रति जागरूक होने का आह्वान किया तथा सदस्यों के प्रश्नों का समाधान भी किया। साथ ही सरकार द्वारा संचालित स्वास्थ्य कार्यक्रमों से जुड़कर सेवा कार्यों को आगे बढ़ाने की बात कही। अध्यक्ष नीती बर्मन ने कहा कि संस्था जरूरतमंदों की सहायता, स्वास्थ्य शिविर, पर्यावरण संरक्षण एवं सामाजिक जागरूकता कार्यक्रमों को प्राथमिकता देगी। सचिव ज्योति अग्रवाल ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए टीम भावना से कार्य करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंत में सदस्यों ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं और भाईचारे का संदेश दिया। धन्यवाद ज्ञापन के साथ समारोह का समापन हुआ।

गदाखेड़ा में 63 केवीए का अतिरिक्त ट्रांसफार्मर स्थापित

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। गांव गदाखेड़ा में लंबे समय से चली आ रही ओवरलोडिंग की समस्या के समाधान के लिए विद्युत विभाग ने अतिरिक्त 63 केवीए का नया ट्रांसफार्मर स्थापित कर विद्युत लोड बढ़ाने की प्रक्रिया पूरी कर ली है। एसडीओ आशीष रत्न ने बताया कि गांव में पहले से 63 केवीए का एक ट्रांसफार्मर लगा था, लेकिन आबादी और बिजली उपकरणों की बढ़ती संख्या के कारण वह पर्याप्त नहीं रह गया था। लगातार ट्रिपिंग और लो-वोल्टेज की समस्या से ग्रामीण परेशान थे। ग्रामीणों की मांग पर विभाग ने अतिरिक्त ट्रांसफार्मर लगाने का निर्णय लिया। मुख्य सड़क और तकनीकी बाधाओं के चलते ट्रांसफार्मर स्थापित करने में टीम को काफी मशक्कत करनी पड़ी। कई घंटे की मेहनत के बाद ट्रांसफार्मर को सुरक्षित स्थान पर स्थापित किया गया। इस दौरान सुरक्षा कारणों से कुछ समय के लिए बिजली आपूर्ति बाधित रही। अधिकारियों के अनुसार अब दोनों ट्रांसफार्मरों के बीच लोड विभाजित होगा, जिससे ओवरलोडिंग और ट्रांसफार्मर फुंकने की समस्या खत्म होगी तथा ग्रामीणों को पूर्ण वोल्टेज के साथ निर्बाध बिजली मिल सकेगी। कार्य के दौरान ललित सेंगर, लाइनमैन भूपेन्द्र कुमार, सुधीर कुमार, अजयकांत पाठक, विजय कुमार सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

आयुक्त अलीगढ़ मंडल ने कलेक्ट्रेट का किया निरीक्षण, दिए दिशा-निर्देश

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस, । संगीता सिंह, आयुक्त अलीगढ़ मंडल अलीगढ़ के कलेक्ट्रेट आगमन पर अतुल वत्स ने बुके भेंट कर स्वागत किया। इसके बाद आयुक्त ने गार्ड ऑफ ऑनर की सलामी ली। आयुक्त ने जिलाधिकारी के साथ कलेक्ट्रेट परिसर में संचालित विभिन्न विभागों और पटलों का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। आयुध अनुभाग में आर्म्स लाइसेंस, वरासत व नवीनीकरण संबंधी अभिलेखों की जांच कर पंजिका संधारण व सत्यापन के निर्देश दिए। डीएलआरसी पटल पर उपलब्ध भूमि अभिलेखों की समीक्षा कर मिनी स्टेडियम हेतु मानक अनुसार भूमि चिन्हित करने को कहा। डूडा कार्यालय में आवास योजना की प्रगति की जानकारी लेते हुए लाभार्थियों के सत्यापन में लापरवाही न बरतने के निर्देश दिए। सीआरए पटल पर पुरानी आरसी की वसूली के लिए अभियान चलाने को कहा। अभिलेखागार कक्ष में रिकॉर्ड का निरीक्षण कर डिजिटलीकरण की कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी, अपर जिलाधिकारी वि/रा, अपर जिलाधिकारी न्यायिक सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

मकान विवाद में मारपीट और फायरिंग, चार आरोपी गिरफ्तार

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। मकान विवाद को लेकर हुए मारपीट और फायरिंग के मामले में किरावली थाना पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि विवाद के दौरान आरोपियों ने वादी के साथ मारपीट की, जान से मारने की नीयत से फायरिंग की और मकान की दीवार भी तोड़ दी। यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट आगरा के निर्देश तथा पुलिस उपायुक्त पश्चिमी जोन और सहायक पुलिस आयुक्त अछनेरा के पर्यवेक्षण में की गई। मामला वादी सत्यवीर निवासी ग्राम जिटोरा, थाना किरावली की लिखित तहरीर पर दर्ज किया गया था। तहरीर में बताया गया कि मकान के विवाद को लेकर आरोपियों ने हमला कर दिया और जानलेवा फायरिंग की। कार्रवाई करते हुए पुलिस ने जयवीर पुत्र चंद्रभान निवासी मलपुरा, किशन पाल पुत्र चंद्रभान निवासी काठवाई, उमेंद्र उर्फ कुमेंद्र पुत्र जयपाल सिंह निवासी भिलावटी तथा हेमेंद्र पुत्र शिव सिंह निवासी भिलावटी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो डंडे और दो लोहे की रॉड भी बरामद की हैं। पुलिस का कहना है कि मामले में अन्य तथ्यों की भी जांच की जा रही है और आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

सड़क सुरक्षा समिति की बैठक सम्पन्न, बिना नंबर प्लेट व ओवरलोड वाहनों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कानपुर देहात, 28 फरवरी। जिलाधिकारी कपिल सिंह की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक कलेक्ट्रेट स्थित मां मुक्तेश्वरी देवी सभागार में आयोजित की गई। बैठक में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, यातायात प्रबंधन, ब्लैक स्पॉट सुधार, अवैध अतिक्रमण हटाने तथा जन-जागरूकता कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा की गई।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि हाईवे किनारे किए गए अवैध अतिक्रमणों को अभियान चलाकर हटाया जाए, जिससे दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके। उन्होंने संयुक्त टीम गठित कर अवैध टैक्सी स्टैंड और बस स्टैंड के विरुद्ध कार्रवाई करने के भी निर्देश दिए। बैठक में प्रमुख मार्गों, चौराहों एवं स्कूलों के आसपास रंबल स्ट्रिप, स्पीड ब्रेकर तथा रिफ्लेक्टर युक्त साइनेज बोर्ड लगाने पर जोर दिया गया, ताकि विशेषकर रात्रिकालीन दुर्घटनाओं को रोका जा सके। ब्लैक स्पॉट वाले स्थानों की पहचान कर वहां सुधार कार्य तत्काल शुरू करने के निर्देश भी दिए गए। जिलाधिकारी ने परिवहन विभाग को बिना नंबर प्लेट, ओवरलोड तथा गलत दिशा में चलने वाले वाहनों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाकर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही हेलमेट और सीट बेल्ट का पालन अनिवार्य कराने तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ प्रभावी चालान कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी स्कूली वाहनों की अनिवार्य फिटनेस जांच कराने और मानकों पर खरे न उतरने वाले वाहनों को तत्काल संचालन से बाहर करने के निर्देश दिए। बेसिक शिक्षा विभाग को निजी वाहनों से स्कूल आने वाले विद्यार्थियों की सूची परिवहन विभाग को उपलब्ध कराने को कहा गया। बैठक में रोडवेज बसों की फिटनेस जांच और चालकों के लिए मेडिकल कैंप आयोजित करने के निर्देश भी दिए गए। अधिकारियों ने अवगत कराया कि बारा से कालपी हाईवे पर सड़क मरम्मत कार्य प्रगति पर है, जिसे शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि सड़क दुर्घटना की सूचना मिलते ही ह्यगोल्डन आवरह्ल के भीतर राहत एवं बचाव कार्य सुनिश्चित किया जाए। साथ ही सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत स्कूलों, कॉलेजों और ग्राम पंचायत स्तर पर शपथ, रैली, पोस्टर प्रतियोगिता, नुक्कड़ नाटक और प्रचार अभियानों के माध्यम से जन-जागरूकता कार्यक्रम चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने लोक निर्माण विभाग, पुलिस, परिवहन, स्वास्थ्य, शिक्षा, नगर निकाय एवं ऊर्जा विभाग को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए सड़क सुरक्षा को सामूहिक जिम्मेदारी के रूप में लेने पर जोर दिया। कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना प्रशासन की प्राथमिकता है और इसके लिए सभी विभागों को ठोस कार्ययोजना बनाकर त्वरित क्रियान्वयन करना होगा। बैठक में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) दुष्यंत कुमार मौर्य, लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता, संभागीय परिवहन अधिकारी, पुलिस, स्वास्थ्य एवं शिक्षा विभाग सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों को सम्मानपूर्वक दी गई विदाई

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कानपुर देहात। जनपद में तैनात तीन पुलिसकर्मी अधिवर्षता आयु पूर्ण कर शनिवार को पुलिस सेवा से सेवानिवृत्त हो गए। इस अवसर पर पुलिस लाइन सभागार में आयोजित कार्यक्रम में उन्हें सम्मानपूर्वक विदाई दी गई। सेवानिवृत्त होने वालों में उपनिरीक्षक जितेंद्र कुमार सिंह (रेडियो शाखा), उपनिरीक्षक जनमेद सिंह (पुलिस लाइन) तथा मुख्य आरक्षी रमाकांत (पुलिस लाइन) शामिल रहे। कार्यक्रम के दौरान क्षेत्राधिकारी यातायात राजीव सिरोही ने सभी सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों को पुष्पमाला, प्रशस्ति पत्र, अंगवस्त्र एवं उपहार भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने सेवानिवृत्त कर्मियों के लंबे सेवाकाल की सराहना करते हुए उनके अच्छे स्वास्थ्य, खुशहाल जीवन और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी उनके कार्यकाल को याद करते हुए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर प्रतिसार निरीक्षक सहित पुलिस विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी तथा सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों के परिजन मौजूद रहे।

नगर पालिका परिषद कासगंज में मनाया गया कर्मचारियों द्वारा होली मिलन समारोह

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। नगर पालिका परिषद कासगंज में होली मिलन समारोह का आयोजन पालिका अध्यक्ष मीना माहेश्वरी की अध्यक्षता में संपन्न हुआ कार्यक्रम में मीना माहेश्वरी अध्यक्ष एवं सभासद पुष्पेंद्र सोनी जयंत शिवा गौरव यादव आलोक कुशवाहा दीपू पांडा विनोद कुमार अशोक डांगरा राजू खान जितेन्द्र सिंह जीतू दिलीप कुमार एवं राजस्व निरीक्षक गिरीश प्रताप सिंह जेई धर्मेंद्र सिंह तथा सेवा निवर्त कर्मचारी महेश वर्मा विजय राजपूत अशोक मिश्रा रोहन सिंह सतीश बाबू तथा हिरदेश कुमार महेश्वरी समाजसेवी सभी को पटका तथा पगड़ी पहनाकर और गुलाल लगाकर सभी को कार्यक्रम संयोजक महेश कुमार वर्मा अमर जयंत तथा पालिका कर्मी श्रीमती रंजन रानी जया भारती निमिषा राजकुमार विजयपाल सिंह रामसेवक विवेक शर्मा कृष्णकांत आशीष कुमार सुरेंद्र सिंह प्रदीप कुमार इमरोज अहमद सनी रामवीर विवेक शर्मा प्रदीप लोधी प्रदीप पाठक प्रवीण कुमार सोनू दुर्गेश कुमार प्रदीप मंत्री राजकुमार गोस्वामी अभय प्रताप सिंह रविंद्र कुमार प्रवीण कुमार रामसेवक बबलू पप्पू अवधेश बबलू जयप्रकाश रामवीर सिंह आदि ने हार्दिक स्वागत किया।

सदर कोतवाली पुलिस ने चार जुआरी पकड़े

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। पुलिस कप्तान अंकिता शर्मा के निर्देशन व अपर पुलिस अधीक्षक कासगंज सुशील कुमार के पर्यवेक्षण में जनपद में अवैध जुआ के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में क्षेत्राधिकारी नगर सुश्री आंचल चैहान के नेतृत्व में कोतवाली कासगंज पुलिस द्वारा देर सायं हार जीत की बाजी लगाकर जुआ खेलते हुए 04 अभि0गण को ग्राम मामूरगंज से गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है । गजराज सिंह पुत्र हरिश्चन्द्र निवासी सुजानपुर थाना सहावर जिला कासगंज, पुरूषोत्तम पुत्र रामस्वरूप निवासी बिरसुआ थाना ढोलना जिला कासगंज, चन्द्रपाल पुत्र राम सिंह निवासी लौधीपुर थाना व अमांपुर जिला कासगंज, प्रवीन उर्फ सुरजीत पुत्र मुन्नालाल निवासी लखेरा थाना मारहरा जिला एटा कों गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। जिनके पास से चार हजार पॉच सौ साठ रुपये और तांस के पत्ते बरामद हुए है।

केन्द्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा बिना किसी भेदभाव के सभी जन कल्याणकारी योजनाओं का दिया जा रहा है लाभ-जिला पंचायत अध्यक्ष

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा शनिवार को उज्ज्वला योजना के तहत लाभार्थियों को निःशुल्क सिलेंडर रिफिल का वितरण लोक भवन लखनऊ से किया गया। जिसमें प्रदेश भर के उज्ज्वला योजना के तहत कुल 1.86 करोड़ पात्र परिवारों को रुपए 1500 करोड़ की धनराशि से निःशुल्क रसोई गैस सिलेण्डर रिफिल का वितरण किया गया।

जिसका सजीव प्रसारण विवेकानंद सभागार विकास भवन परिसर में आयोजित कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष रत्नेश कश्यप व मुख्य विकास अधिकारी वीरेंद्र सिंह, अपर जिला अधिकारी दिग्विजय प्रताप सिंह सहित जनपद के अधिकारियोंध्कर्मचारियों व भारी संख्या में उपस्थित महिला लाभार्थियों की उपस्थिति में देखा व सुना गया।

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष रत्नेश कश्यप एवं मुख्य विकास अधिकारी वीरेंद्र सिंह व अपर जिला अधिकारी दिग्विजय प्रताप सिंह जी द्वारा जनपद के उज्ज्वला योजना के तहत 05 पात्र लाभार्थियों को निःशुल्क रसोई गैस सिलेण्डर रिफिल की धनराशि प्रतीकात्मक चेक के माध्यम से वितरित की गई। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष ने जनपदवासियों को होली पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि केन्द्र एवं प्रदेश सरकार विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से माताओं, बहनों की सुरक्षा, सम्मान, स्वालम्बन एवं समृद्धि के प्रति निरन्तर प्रयासरत है जिसका प्रभाव जमीनी स्तर पर समाज में साफ दिखाई पड़ रहा है, उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की प्रेरणा एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की गरीबों के कल्याण के प्रति पवित्र सोच का ही परिणाम है कि आज सभी माताओं, बहनों को उज्ज्वला योजना सहित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का का लाभ मिला है। उन्होंने जनपदवासियों के सुख एवं समृद्धि की कामना करते हुए प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के प्रति हार्दिक आभार व धन्यवाद ज्ञापित किया तथा कहा कि केन्द्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा बिना किसी भेदभाव के सभी जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। इस अवसर पर जिला पूर्ति अधिकारी अरुण कुमार सहित सम्बंधित अधिकारी एवं प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के लाभार्थीगण आदि उपस्थित रहे।

पिचकारिंया बन रही आकर्षण का केन्द्र

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। होली पर्व के आते ही बजारों में कई तरह की रंग-बिरंगी पिचकारियां आर्कषण का केन्द्र बनी हुई है। दुकानों पर दबंग, प्रेषन गन, बाहुबली रंगों के पटाखे, सहित तहर की पिचकारियां भी बच्चों के मन को भा रही है।

वहीं बच्चों को रंगीन गुब्बारे भी खूब भा रहे है। वहीं इस वार बाजारों में हर्बल रंग व गुलाल की मांग ज्यादा है। युवा इस बार सामान्य रंगों की बजाए हर्बल रंगो की खरीदारी करते दिखाई दे रहे है।

स्कूली छात्रों ने स्कूल में लगाई ज्ञानवर्धक प्रदर्शनी

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। शहर के इदा पब्लिक स्कूल में नेशनल साइंस डे के अवसर पर एक भव्य विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी में विद्यालय के छात्र.छात्राओं ने विज्ञान से संबंधित विभिन्न विषयों पर आकर्षक एवं ज्ञानवर्धक मॉडल प्रस्तुत किए। छात्रों ने अपने.अपने मॉडलों के माध्यम से वैज्ञानिक सिद्धांतों को सरल भाषा में समझाया, जिस पर शिक्षकों एवं उपस्थित अतिथियों के साथ सामूहिक चर्चा भी की गई। यह प्रदर्शनी छात्रों में वैज्ञानिक सोचए नवाचार और जिज्ञासा को बढ़ावा देने वाली रही।विज्ञान प्रदर्शनी का उद्घाटन विद्यालय की प्रधानाचार्य कामिनी गुप्ता द्वारा किया गया। उन्होंने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की गतिविधियाँ बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। प्रदर्शनी के दौरान अंशुल मिश्रा, देव राजग त्रिगुनायत, मीना राजपूत, ममता राजपूत, बेबी तरन्नुम, पूजा रावल सहित विद्यालय का स्टाफ उपस्थित रहा।कार्यक्रम का समापन छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना के साथ किया गया।

होली के रंग में रंगीन हआ बाजार, बढी रौनक

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। होली का त्योहार नजदीक आ चुका है, जहां घरों में होली का रंग दिखाई दे रहा है, वहीं बाजार भी होली के रंग में रंगीन नजर आ रहे हैं। तो वहीं बाजारों में खरीददारों की रौनक बढ गई है, लोगों द्वारा जहां खाद्य पदार्थो की खरीददारी की जा रही है तो वहीं बच्चों में रंग एवं पिचकारियों की खरीददारी को होड सी लग गई है। तो वहीं होली के पर्व को मनाने के लिए युवा भी कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं, हालांकि महंगाई के मार के चलते महिलाएं पकवानों को कम मात्रा में खरीद रहीं है। एक सप्ताह से भले ही बाजारों में होली जैसा माहौल नहीं बना था, लेकिन जैसे ही त्योहार नजदीक आ रहा है, बाजारों में रौनक लौटने लगी है। हर कोई होली के इस त्योहार को अपने-अपने तरीके से मनाए जाने के लिए तैयारी करने लगा है। नगर के बिलराम गेट, सोरों गेट, नदरई गेट एवं सहावर गेट के बाजारों में दुकानदारों ने महिलाओं के रिझाने के लिए रंग-बिरंगे चिप्स और पापड़ सजा लिए हैं। वहीं महिलाएं भी रसोई के पकवानों की संख्या बढ़ाने में लगी हुई हैं, और सभी आयटमों को बजट अनुसार खरीद रहीं हैं। वहीं त्योहार की रोनक कहलाने वाले पकवान गुजिया एवं अनरसे को बनाने के लिए महिलाएं परचूनी की दुकानों से कच्ची सामग्री बूरा, किशमिश, चावल, साबूदाना, मैदा आदि की भी खरीददारी कर रहीं हैं। तो बच्चे होली के रंग में सराबोर होने की तैयारियां कर रहे हैं। बाजारों में भी जितनी खाद्य पदार्थ की दूकाने हैं, उससे कहीं अधिक विभिन्न रंगों एंव पिचकारियों से सजी हुई धकेले हैं। किसी पर रंग बिरंगी टोपियां दिखाई दे रही हैं तो किसी पर विभिन्न रंग बिरंगा अबीर गुलाल, पिचकारियां सजे हुए दिखाई दे रहे हैं। होली की तैयारियों में बडे बुजुर्गों एवं बच्चों के जुटे होने की वजह से बाजारों में लोगों की भीड बढ गई है।

अबीर-गुलाल से सराबोर हुआ कासगंज, फूलडोल में झूमे भक्तय गोवर्धन मंदिर से निकली भव्य शोभायात्रा ने शहर को किया भक्तिमय

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। शहर के हापुड़ वाले मंदिर क्षेत्र से शनिवार शाम निकली फूलडोल यात्रा ने पूरे नगर को भक्तिरस में सराबोर कर दिया। गोवर्धन मंदिर गली बौहरान से प्रारंभ हुई इस शोभायात्रा में ठाकुर जी के साथ भक्तों ने अबीर.गुलाल की होली खेली और धार्मिक भजनों पर जमकर थिरके।

फूलडोल के दौरान श्रद्धालुओं में उत्साह का विशेष माहौल देखने को मिला।मारवाड़ी माहेश्वरी समाज की ओर से आयोजित यह कार्यक्रम मारवाड़ी माहेश्वरी समिति की देखरेख में संपन्न हुआ। शाम से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ जुटनी शुरू हो गई थी। ठाकुर जी की सजी.धजी प्रतिमा को आकर्षक फूलों से सजाए गए डोले में विराजमान कर विधि.विधान से यात्रा का शुभारंभ किया गया।यात्रा गोवर्धन मंदिर गली बौहरान से निकलकर चैक रामबाबू सर्राफए बाबूराम चैकए सूत की मंडी, गली पचोरियान, बारहद्वारी, नंदरई गेट, गली झौरा भोरा, गली छिंगामल, गली शिवदान भट्ट, सहावर गेट, नल वाली गली, बड़ी होली, सोरों गेट होते हुए पुनः बारहद्वारी से उद्गम स्थल पहुंचकर संपन्न हुई। मार्ग में जगह.जगह श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर यात्रा का स्वागत किया।भक्तों ने श्राधे.राधेश और श्श्याम नामश के जयघोष के साथ वातावरण को भक्तिमय बनाए रखा। ढोल.नगाड़ों और भजनों की धुन पर युवक.युवतियांए महिलाएं और बुजुर्ग सभी झूमते नजर आए। अबीर.गुलाल उड़ने से पूरा मार्ग रंगमय हो गया और होली जैसा उल्लास दिखाई दिया। कार्यक्रम में श्याम मूना, संतोष माहेश्वरी, हिरेंद्र माहेश्वरी, अजय राठी, राजकुमार मूना, अशोक तावरी, राजीव केला, गोपाल मूना, चंदेश्वर माहेश्वरी, संजय चोला, अनूप चोला, डॉ. नवीन नाहर, अशोक नाहर, राजकुमार जखेटिया, अरविंद कावरा, सच्चिदानंद माहेश्वरी, सुरेंद्र माहेश्वरी, राजेश टीकरी, धनश्याम मूना, अंकुश मूना, राजेंद्र बोहरे, सविता माहेश्वरी, मीना माहेश्वरी, अंजू मूना, पल्लवी चंडक, अंजना भट्टर, अनीता फोफलिया, शशि चांडक सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।फूलडोल यात्रा के सकुशल आयोजन को लेकर समिति पदाधिकारियों ने सभी श्रद्धालुओं का आभार जताया। यात्रा के समापन पर प्रसाद वितरण किया गया। पूरे आयोजन के दौरान शहर का माहौल पूरी तरह धार्मिक आस्था और उत्साह से ओतप्रोत नजर आया।

क्रिकेटर रिंकू सिंह के पिता के निधन पर हुई भाजपाईयों ने किया शोकसभा का आयोजन

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज/अमांपुर । क्षेत्रीय विधायक हरिओम वर्मा के कैंप कार्यालय पर शोकसभा आयोजित की गई।

जिसमें भारतीय क्रिकेट टीम के उभरते सितारे क्रिकेटर रिंकू सिंह के पिता खानचंद सिंह का लंबी बीमारी के चलते निधन पर विधायक हरिओम वर्मा के नेतृत्व में भाजपाइयों ने शोकसभा आयोजित कर उनके चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की और दो मिनट का मौन रखा।

इस दौरान विधायक हरिओम वर्मा, लक्ष्मण सिंह ऑपरेटर, भाजपा जिला महामंत्री संजय सोलंकी, भाजपा मंडल अध्यक्ष चित्तर सिंह, भाजपा मंडल उपाध्यक्ष पुष्पेंद्र वर्मा, ठेकेदार वीरेंद्र सिंह, प्रधान विनोद सोलंकी, मनोज लोधी, आकाश गुप्ता सर्राफ, रोचक चैहान, विवेक राजपूत, राहुल चैहान, सोनू पालए शुभम सोलंकी, राहुल वर्मा, तिर्मल सिंह, भीमसेन कश्यप, पिदुम सोलंकी, मनु प्रताप, शिवम शर्मा आदि मौजूद रहे।

कुट्टी मशीन में फंसा युवक का हाथ, हालत गंभीर

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। जिले के कासगंज के ढोलना थाना क्षेत्र में शनिवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हो गया। फिरोजपुर निवासी प्रेम पाल पुत्र मथुरा प्रसाद घर के अंदर कुट्टी मशीन से चारा काट रहे थे, तभी अचानक उनका दायां हाथ मशीन की चपेट में आ गया। हादसे के बाद मौके पर चीख.पुकार मच गई। परिजनों ने तुरंत मशीन बंद कर किसी तरह हाथ निकाला और गंभीर हालत में उन्हें जिला अस्पताल पहुंचाया। घायल के मौसा सोनपाल ने बताया कि सुबह करीब 9 बजे यह हादसा हुआ। जिला अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने हालत नाजुक देखते हुए प्रेम पाल को अलीगढ़ के जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेजए अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय रेफर कर दिया। डॉक्टरों के अनुसार युवक के हाथ में गहरी चोट आई है। परिजन अलीगढ़ में उपचार करा रहे हैं। घटना के बाद गांव में चिंता का माहौल है।

एमवीएम पब्लिक स्कूल में धूमधाम से मना होली महोत्सव, बच्चों की प्रस्तुतियों ने जीता दिल

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। शहर के कमला मार्केट स्थित एमवीएम पब्लिक स्कूल में होली महोत्सव हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया। विद्यालय परिसर रंगोंए संगीत और सांस्कृतिक कार्यक्रमों से सराबोर नजर आया। कार्यक्रम की शुरूआत मां शारदे की पूजा अर्चना के साथ किया गया। जिसके बाद बच्चों ने एक से बढ़कर एक आकर्षक प्रस्तुतियां दीं।कार्यक्रम में कान्हा बने छात्र गर्वित ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुत कर सभी की खूब तालियां बटोरीं। वहीं राधा की भूमिका में छात्रा इशिका सक्सेना ने शानदार अभिनय और नृत्य से उपस्थित अभिभावकों व शिक्षकों का दिल जीत लिया। छोटे.छोटे बच्चों की रंग.बिरंगी वेशभूषा ने माहौल को और भी आनंदमय बना दिया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य गिरीश चंद्र भारद्वाज ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए होली पर्व की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्ता के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बच्चों को आपसी प्रेमए भाईचारे और सौहार्द बनाए रखने का संदेश दिया तथा सुरक्षित और पर्यावरण अनुकूल होली मनाने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय प्रबंधक आयुष भारद्वाज ने भी बच्चों की प्रस्तुतियों की सराहना की और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। पूरा विद्यालय परिसर होली के रंगों और उत्साह से सराबोर नजर आया। कार्यक्रम में राधा रानीए, अनीशा, बेबी, दीपक, निखिल, निकेता, वैष्णवी, प्रियांशी, देवांश भारद्वाज सहित अन्य शिक्षक.शिक्षिकाएं एवं अभिभावक और बड़ी संख्या में छात्र.छात्राएं मौजूद रहे।

केमिकलयुक्त रंगों से त्वचा का भी रखें ख्याल, बदरंग न कर दे चेहरा

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अमांपुर। रंगों के पर्व पर थोड़ी सावधानी भी बरते। जरा सी असावधानी से रंगों के इस पर्व पर आपको डॉक्टर की सलाह लेनी पड़ सकती है। इसलिए होली खेलते वक्त बच्चों का भी ध्यान रखें। होली का त्योहार उत्साह का त्योहार है। लेकिन कई बार गुलाल को फेंक कर मारने से यह आंखों में चला जाता है। ऐसें में आंखों में भी परेशानी हो सकती है। प्रभारी चिकित्सक डॉ संदीप राजपूत ने बताया कि रासायनिक रंगों का इस्तेमाल बिल्कुल न करें। जिससे आंखों में लम्बे समय तक किरकिरी होती है। आंखों में पानी आने लगता है और लाली आ जाती है। होली को खेलते वक्त आंखों का विशेष ध्यान रखें। अगर कोई होली पर रंग लगा रहा है। तो अपनी आंखों को बंद कर लें। होली खेलने से पहले त्वचा पर तेल, लोशन या वैसलीन लगाएं। इससे रंगों का असर कम पड़ता है। यह रंग को त्वचा में प्रवेश करने से रोकने का कार्य करेगा। डॉ संजय यादव फीजीशियन स्वास्थ्य केंद्र अमांपुर ने बताया कि रासायनिक रंगों से दूर रहना बेहतर हैं। ज्यादातर रंग केमिकल से तैयार किए जाते है। इसमें हानिकारक तत्व मिले होते है। जिनका सीधा असर प्रयोग त्वचा को नुकसान पहुंचता है। अगर गलती से केमिकलयुक्त रंग लग भी जाए तो उसे एक दिन में ही छुड़ाने की कोशिश न करें। लोग होली के बाद में रंग छुड़ाने को त्वचा को ज्यादा रगड़ते है। यह भी हानिकारक है। ज्यादा रगड़ने से त्वचा छिल जाती है। जिससे घाव बन जाते है। सबसे बेहतर हर्बल रंग ही हैं। इनसे कोई नुकसान नहीं होता है। वहीं डॉ अमित अमित गुप्ता अमांपुर तेल को बार बार गर्म करके पकवानों को बनाना लोगों की सेहत पर भारी पड़ रहा है। पेट में गैस, अपच, कोलेस्ट्राल, फैटी, लिवर की समस्याएं हो रही है। चिकित्सकों की मानें तो किडनी की खराबी से लेकर कैंसर तक पीछे की यह एक वजह हो सकती है। गर्म समोसे, पकोड़े, का नाम सुनकर ही मुंह में पानी आ जाता है।

दिल्ली के पूर्व सीएम को शराव घोटले में बरी होने पर कासगंज में आप कार्यकताओं में हर्ष

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। उत्तर प्रदेश के जनपद कासगंज में आम आदमी पार्टी के कार्यकताओं ने जिला प्रभारी मनोज कश्यप के नेतृत्व में वरिष्ठ कार्यकर्ता आम आदमी पार्टी संतोष राजपूत के साथ माननीय अरविंद केजरीवाल को माननीय न्यायालय द्वारा शराब घोटाले में क्लीन चिट दी है।

सत्य की विजय हुई है एक दूसरे को मिठाई खिलाकर एवं बाँट कर खुशी जाहिर की माननीय न्यायालय का और न्याय का बहुत.बहुत धन्यवाद आभारएएएएखाम खा भाजपा द्वारा माननीय केजरीवाल को बदनाम किया जाना महंगा पड़ेगा जनता चुनाव में देगी सत्य का साथ इसी कड़ी में पार्टी कार्यकताओं में प्रदेश में ही नहीं पूरे राष्ट्र के कार्यकताओं में हर्ष की लहर है माननीय अरविंद केजरीवाल जी ईमानदार थे ईमानदार हैं।

ईमानदार रहेंगे इसी कड़ी में जनपद कासगंज में कार्यकताओं ने मिठाई बांटकर हर्ष व्यक्त किया वही संतोष राजपूत ने कहा है कि आम आदमी पार्टी का एक.एक कार्यकर्ता ईमानदार है, और वह सिर्फ जनता के लिए ही काम करते हैं इस मौके पर देवेंद्र सिंह राजपूत पंकज ठाकुर अनुज कुमार दुबे जवाहर सिंह कमल कुमार गोला आशीष इत्यादि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

छोटी खबरें

साइबर हेल्प डेस्क द्वारा कार्यवाही करते हुए पीड़ित के खाते में 40 हजार रुपए वापस कराये गये

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कानपुर देहात (राजपुर) जनपद कानपुर देहात में अपराध निवारण की दिशा में साइबर क्राइम से सम्बन्धित घटनाओं की रोकथाम व खुलासे हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान के क्रम में, शिकायतकर्ता श्री प्रेम कुमार पुत्र यादवेन्द्र कुमार निवासी ग्राम कमलपुर थाना राजपुर जनपद कानपुर देहात के साथ साइबर ठग द्वारा विद्युत विभाग का अधिकारी बनकर बिजली बिल के मामले को निपटाने के लिए आवेदक से ? 40,000 फ्राड खाते में डलवा लेने के सम्बन्ध में साइबर धोखाधड़ी की गयी थी । जिसके संबंध में आवेदक द्वारा साइबर क्राइम पोर्टल पर शिकायत दर्ज करायी गयी थी। जिस पर थाना राजपुर पुलिस (साइबर सेल हेल्प डेस्क) द्वारा जांच एवं कार्यवाही करते हुए शिकायतकर्ता के खाते में धनराशि ? 40,000/- वापस करायी गयी। पुलिस की कार्यवाही से शिकायतकर्ता ने थाना शिवली जनपद कानपुर देहात पुलिस का धन्यवाद दिया। खाते से धोखाधड़ी से पैसा निकलने की दशा में तुरंत 1930 पर कॉल करें या पर शिकायत दर्ज करें

तेज रफ्तार अज्ञात ट्रक की टक्कर से युवक की मौत, चालक फरार

मोर्निंग सिटी संवाददाता

सिकंदरा (कानपुर देहात)। थाना क्षेत्र में हाईवे पर तेज रफ्तार अज्ञात ट्रक की टक्कर से एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि कार चालक घायल हो गया। हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। जानकारी के अनुसार रसधान गांव निवासी सलमान (22) पुत्र लल्लू ईको कार से घर लौट रहे थे। कार को आलोक मिश्रा पुत्र धीरज मिश्रा निवासी रसधान चला रहे थे। इसी दौरान रास्ते में तेज रफ्तार अज्ञात ट्रक ने कार में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद आसपास मौजूद ग्रामीणों की मदद से दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिकंदरा पहुंचाया गया, जहां चिकित्सक डॉ. पूनम मौर्या ने सलमान को मृत घोषित कर दिया। घायल आलोक मिश्रा का उपचार जारी है। परिजनों के अनुसार सलमान तीन भाइयों में सबसे छोटा था और सब्जी बेचकर परिवार का भरण-पोषण करता था। उसकी तीन बहनें हैं। युवक की मौत से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। थाना प्रभारी जनार्दन सिंह ने बताया कि शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। तहरीर मिलने पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। ग्रामीणों ने बिना नंबर प्लेट अथवा नंबर छिपाकर चल रहे भारी वाहनों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसे हादसों पर अंकुश लगाया जा सके।

नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में बाल अपचारी 12 घंटे में पुलिस संरक्षण में

मोर्निंग सिटी संवाददाता

रूरा (कानपुर देहात)। नाबालिग बालिका से दुष्कर्म के मामले में थाना रूरा पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बाल अपचारी को 12 घंटे के भीतर पुलिस संरक्षण में ले लिया। पुलिस के अनुसार शुक्रवार को पीड़िता पक्ष की तहरीर के आधार पर थाना रूरा में मुकदमा संख्या 26/2026 धारा 65(2) बीएनएस तथा लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो एक्ट) की धारा 5एम/6 के तहत मामला दर्ज किया गया। मामला दर्ज होने के बाद पुलिस टीम ने जांच शुरू करते हुए मुखबिर की सूचना पर ग्राम भैरो शाहजहांपुर, मौजा गहलौं स्थित बाल अपचारी के घर के बाहर से उसे संरक्षण में ले लिया। पुलिस ने बाल अपचारी को नियमानुसार विधिक प्रक्रिया पूरी करते हुए अग्रिम कार्रवाई के लिए प्रस्तुत किया। कार्रवाई में थाना रूरा प्रभारी निरीक्षक सुधीर भारद्वाज, मुख्य आरक्षी सरवेन्द्र कुमार तथा कांस्टेबल अशोक कुमार शामिल रहे।

शाम चार से सात बजे तक बिजली कटौती से उपभोक्ता परेशान

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अहेरीपुर (इटावा)। विद्युत वितरण उपखंड महेवा से जुड़े अहेरीपुर कस्बे में पिछले एक सप्ताह से शाम के समय हो रही बिजली कटौती से उपभोक्ताओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। विशेषकर शाम चार बजे से सात बजे तक की कटौती को लेकर लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि वर्तमान में हाईस्कूल व इंटरमीडिएट की बोर्ड परीक्षाएं चल रही हैं, वहीं मुस्लिम समुदाय का पवित्र माह रमजान भी जारी है। इसके साथ ही होली का त्योहार भी नजदीक है। ऐसे में शाम के समय बिजली बाधित होने से छात्रों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है, जबकि गृहिणियों को भोजन बनाने और त्योहार की तैयारियों में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उपभोक्ताओं के अनुसार शाम का समय घरेलू कार्यों के लिए सबसे महत्वपूर्ण होता है। इसी समय अधिकतर घरों में खाना बनाया जाता है तथा होली के मद्देनजर पकवान तैयार किए जा रहे हैं। बिजली कटौती के कारण दैनिक कार्य प्रभावित हो रहे हैं। कस्बे के वैध विद्युत उपभोक्ताओं ने वरिष्ठ अवर अभियंता विद्युत से मांग की है कि त्योहारों और परीक्षाओं को देखते हुए शाम के समय की कटौती तत्काल बंद की जाए। लोगों का कहना है कि यदि कटौती आवश्यक हो तो इसे दोपहर एक बजे से पांच बजे के बीच किया जाए, ताकि आमजन को कम परेशानी हो।

रिजर्व पुलिस लाइन में प्रशिक्षणरत आरक्षियों के लिए सामूहिक भोज का आयोजन

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कानपुर देहात। रिजर्व पुलिस लाइन में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे आरक्षियों के उत्साहवर्धन एवं मनोबल बढ़ाने के उद्देश्य से शुक्रवार को सामूहिक भोज (बड़े खाने) का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक की गरिमामय उपस्थिति रही। इस दौरान दोनों वरिष्ठ अधिकारियों ने प्रशिक्षणरत आरक्षियों से संवाद करते हुए उनका हौसला बढ़ाया और उनके साथ भोजन किया। अधिकारियों ने आरक्षियों को अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा और जनता के प्रति समर्पण की भावना के साथ कार्य करने की सीख दी। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण अवधि पुलिस सेवा के भविष्य की मजबूत नींव होती है, इसलिए शारीरिक दक्षता के साथ नैतिक मूल्यों और कानूनी ज्ञान को भी आत्मसात करना आवश्यक है। जिलाधिकारी ने अपने संबोधन में पुलिस और प्रशासन के बेहतर समन्वय को जनपद में शांति एवं विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया तथा प्रशिक्षणरत आरक्षियों को आगामी जिम्मेदारियों के लिए शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम का उद्देश्य नवप्रशिक्षुओं को सकारात्मक वातावरण प्रदान करना और टीम भावना को मजबूत करना रहा। सामूहिक भोज में विभिन्न प्रकार के व्यंजन परोसे गए, जिसका आरक्षियों ने आनंद लिया। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक, क्षेत्राधिकारीगण सहित रिजर्व पुलिस लाइन एवं प्रशासनिक विभाग के अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे। अधिकारियों की सहभागिता से प्रशिक्षणरत आरक्षियों में उत्साह और ऊर्जा का संचार हुआ।

योजनाओं का लाभ हर पात्र तक पहुंचे, उत्कृष्ट विद्यार्थियों को करें सम्मानित : प्रभारी मंत्री धर्मवीर प्रजापति

मोर्निंग सिटी संवाददाता

जसवंतनगर/इटावा। प्रदेश सरकार के प्रभारी मंत्री धर्मवीर प्रजापति ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ बिना भेदभाव प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक समयबद्ध तरीके से पहुंचाना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। हाईवे स्थित एक प्रतिष्ठान में आयोजित चौपाल एवं समीक्षा बैठक के दौरान प्रभारी मंत्री ने विभिन्न विभागों की योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि गांव स्तर पर पात्र व्यक्तियों, महिलाओं और विद्यार्थियों की पहचान कर पारदर्शी सूची तैयार की जाए तथा उन्हें प्राथमिकता के आधार पर योजनाओं से जोड़ा जाए, ताकि कोई भी पात्र लाभार्थी वंचित न रहे। बैठक में बेसिक शिक्षा विभाग की समीक्षा करते हुए मंत्री ने शिक्षा अधिकारियों से योजनाओं की प्रगति रिपोर्ट तलब की और पूछा कि विभागीय योजनाओं से अब तक कितने विद्यार्थियों को लाभान्वित किया गया है। इस दौरान एक छात्र द्वारा प्रस्तुत नवाचार मॉडल की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि मेधावी और प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को मंच देकर सम्मानित किया जाना चाहिए, जिससे अन्य बच्चों को भी प्रेरणा मिले। प्रभारी मंत्री ने सभी विभागों को निर्देश दिए कि वे अपनी अद्यतन प्रगति रिपोर्ट तैयार करें, जिसमें चयनित लाभार्थियों, वितरित लाभ और लंबित प्रकरणों का स्पष्ट विवरण शामिल हो। उन्होंने पारदर्शिता, जवाबदेही और योजनाओं की जमीनी स्तर पर निगरानी पर विशेष जोर दिया। जिलाधिकारी शुभ्रांत शुक्ला ने अधिकारियों से आपसी समन्वय के साथ कार्य करने तथा पात्र लाभार्थियों तक योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए। कार्यक्रम के दौरान स्वयं सहायता समूह की सखियों को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से ऋण राशि के चेक भी वितरित किए गए। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष अन्नू गुप्ता, पूर्व सांसद रघुराज शाक्य, पूर्व प्रत्याशी विवेक शाक्य, जितेंद्र शीलू तोमर, आशीष अग्निहोत्री, अभिषेक शुक्ला, श्रेयस मिश्रा, संजय मिश्रा, प्रधान कमला देवी, प्रधान प्रतिनिधि नेत्रपाल सिंह, हाशिम अंसारी, दीपक धाकरे सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं ग्रामीण मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत 65 जोड़ों का विवाह सम्पन्न

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कानपुर देहात, 28 फरवरी। समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत जनपद में शनिवार को 65 जोड़ों का सामूहिक विवाह समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम रामस्वरूप ग्रामोद्योग इंटर कॉलेज ग्राउंड, पुखरायां में संपन्न हुआ, जहां जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों की मौजूदगी में वर-वधू को आशीर्वाद दिया गया।

सामूहिक विवाह में नगर निकाय पुखरायां के 5, विकास खंड मलासा के 41, अमरौधा के 10 तथा सरवनखेड़ा के 9 जोड़े शामिल हुए। सभी जोड़ों का विवाह गायत्री परिवार के पुरोहितों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हिंदू रीति-रिवाज के अनुसार संपन्न कराया गया। कार्यक्रम स्थल पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया, जिससे समारोह का वातावरण उत्साहपूर्ण बना रहा।

कार्यक्रम में प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री राकेश सचान, पूर्व विधायक विनोद कटियार, नगर पालिका परिषद पुखरायां अध्यक्ष प्रतिनिधि करुणाशंकर दिवाकर तथा नगर पंचायत मूसानगर अध्यक्ष प्रतिनिधि विनोद निषाद ने नवदंपतियों को आशीर्वाद देते हुए उनके सुखद वैवाहिक जीवन की कामना की।

यह आयोजन जिलाधिकारी कपिल सिंह एवं मुख्य विकास अधिकारी विधान जायसवाल के निर्देशन तथा अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) के पर्यवेक्षण में सम्पन्न कराया गया। कार्यक्रम में उपजिलाधिकारी भोगनीपुर, जिला विकास अधिकारी सहित संबंधित खंड विकास अधिकारी एवं नगर निकायों के अधिशासी अधिकारी उपस्थित रहे।

सामूहिक विवाह योजना के माध्यम से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को सामाजिक सहयोग प्रदान करते हुए विवाह संपन्न कराए जाने की पहल को सराहा गया। अधिकारियों ने बताया कि योजना का उद्देश्य जरूरतमंद परिवारों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराकर सामाजिक समरसता को बढ़ावा देना है।

सड़क सुरक्षा-जीवन रक्षा के तहत विद्यार्थियों ने निकाली जागरूकता रैली

मोर्निंग सिटी संवाददाता

राजपुर (कानपुर देहात)। सड़क सुरक्षा के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक करने के उद्देश्य से शनिवार को न्यू लाइट एजुकेशन सेंटर विद्यालय में ह्यसड़क सुरक्षाझजीवन रक्षाह्ल विषय पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में यातायात नियमों की जानकारी बढ़ाना और दुर्घटनाओं से बचाव के प्रति जागरूक करना रहा।

कार्यक्रम का शुभारंभ एआरटीओ (प्रशासन) प्रशांत तिवारी एवं एआरटीओ प्रवर्तन सोमलता यादव ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस दौरान छात्राओं ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। अधिकारियों ने अपने संबोधन में कहा कि सड़क सुरक्षा केवल नियमों का पालन नहीं, बल्कि जीवन की सुरक्षा का आधार है। उन्होंने विद्यार्थियों को हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट लगाने, ट्रैफिक सिग्नल का पालन करने तथा वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग न करने की सलाह दी। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को विभिन्न यातायात संकेतों की जानकारी भी दी गई और बताया गया कि थोड़ी सी लापरवाही भी गंभीर हादसे का कारण बन सकती है। बच्चों ने पोस्टर, नारे, भाषण और रैली के माध्यम से सड़क सुरक्षा का संदेश दिया। विद्यालय प्रबंधक महादेव सिंह चौहान ने अतिथियों का माल्यार्पण व प्रतीक चिन्ह देकर सम्मान किया। विद्यार्थियों ने यातायात नियमों का पालन करने तथा समाज को जागरूक करने की शपथ भी ली। इस अवसर पर प्रधानाचार्य अतुल तिवारी, प्रधानाचार्य अजय पाल सिंह सहित शिक्षक-शिक्षिकाओं में अमरदीप कुलश्रेष्ठ, शादाब खान, मानसी, अल्का, शुभी एवं विद्यालय स्टाफ मौजूद रहा। अंत में धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

अवैध खनन पर प्रशासन की सख्ती, 43 लाख से अधिक की राजस्व क्षति उजागर

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कानपुर देहात। जनपद में अवैध खनन एवं अवैध परिवहन के विरुद्ध प्रशासन ने सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। जिलाधिकारी कपिल सिंह के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत तहसील भोगनीपुर क्षेत्र में संयुक्त जांच के दौरान बड़े पैमाने पर अनियमितताएं पकड़ी गईं।

खान अधिकारी ने बताया कि ग्राम दौलतपुर कछार स्थित खनन क्षेत्र दौलतपुर कछार खंड संख्या-01 में उपजिलाधिकारी भोगनीपुर, खान विभाग एवं पुलिस बल की संयुक्त टीम ने औचक निरीक्षण किया। जांच में स्वीकृत पट्टा क्षेत्र से बाहर 7972.30 घनमीटर साधारण बालू का अवैध खनन एवं परिवहन पाया गया। निरीक्षण के दौरान खनन स्थल पर कई स्थानों पर पानी भराव की स्थिति भी मिली, जिससे पर्यावरणीय मानकों के उल्लंघन की पुष्टि हुई। जांच में पट्टाधारक इंदर सिंह द्वारा की गई अनियमितताओं से 43,26,704 रुपये की संभावित राजस्व क्षति सामने आई है। प्रशासन ने मामले में विधिक कार्रवाई शुरू करते हुए संबंधित के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि जनपद में अवैध खनन किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसके लिए गठित टास्क फोर्स द्वारा नियमित निगरानी और प्रवर्तन कार्रवाई जारी रहेगी।

डेढ़ माह से बंद मिड-डे मील, बच्चे टिफिन लाने को मजबूर; अभिभावकों में नाराजगी

मोर्निंग सिटी संवाददाता

राजपुर (कानपुर देहात)। विकास खंड राजपुर क्षेत्र के ग्राम जल्लापुर सिकंदरा स्थित प्राथमिक विद्यालय में पिछले करीब डेढ़ माह से मिड-डे मील योजना ठप पड़ी है। विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों को नियमित रूप से भोजन न मिलने से अभिभावकों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। स्थिति यह है कि बच्चे रोजाना घर से टिफिन लेकर स्कूल पहुंच रहे हैं, जबकि कई बच्चों को भोजन के लिए बीच में ही घर जाना पड़ता है।

ग्रामीणों के अनुसार मिड-डे मील बंद होने से छोटे बच्चों को सबसे अधिक परेशानी उठानी पड़ रही है। कुछ बच्चे विद्यालय से घर जाने के लिए सड़क पार करने से डरते हैं, जिसके कारण वे स्कूल में ही भूखे रहने को मजबूर हो जाते हैं। अभिभावकों का कहना है कि सरकार की महत्वाकांक्षी योजना का लाभ बच्चों को नहीं मिल पा रहा है, जिससे उनकी पढ़ाई और स्वास्थ्य दोनों प्रभावित हो रहे हैं।

विद्यालय में पढ़ने वाली छात्राओं ने बताया कि पहले स्कूल में नियमित भोजन मिलता था, लेकिन पिछले कई सप्ताह से खाना नहीं बन रहा है। अब उन्हें घर से भोजन लाना पड़ता है या फिर बिना खाए ही दिन गुजारना पड़ता है। अभिभावकों ने भी चिंता जताते हुए कहा कि छोटे बच्चों के लिए खाली पेट पढ़ाई करना मुश्किल हो जाता है। इस मामले में जब मॉर्निंग सिटी संवाददाता ने विद्यालय के प्रधानाचार्य सतेंद्र कुमार से बात की तो उन्होंने बताया कि अक्टूबर 2024 से अब तक मिड-डे मील का भुगतान विद्यालय को प्राप्त नहीं हुआ है। बजट न मिलने के कारण भोजन बनवाना संभव नहीं हो पा रहा है।

उन्होंने बताया कि इस संबंध में विभाग के उच्चाधिकारियों को कई बार लिखित शिकायत भेजी जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। शुरूआती दिनों में विद्यालय स्तर पर बच्चों को समोसे और बिस्कुट उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया, लेकिन संसाधनों की कमी के चलते वह व्यवस्था भी जारी नहीं रह सकी। ग्रामीणों और अभिभावकों ने प्रशासन से मांग की है कि मामले का संज्ञान लेते हुए जल्द से जल्द विद्यालय में मिड-डे मील योजना को पुनः शुरू कराया जाए, ताकि बच्चों को निर्धारित पोषण आहार मिल सके और उनकी पढ़ाई प्रभावित न हो। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते समस्या का समाधान नहीं किया गया तो वे उच्च अधिकारियों से शिकायत करने को मजबूर होंगे।

सहकारी शिक्षा सम्मेलन में किसानों को दी गई उन्नत खेती की जानकारी

मोर्निंग सिटी संवाददाता

जसवंतनगर/इटावा। क्षेत्र के अजनौरा गांव में सहकारी शिक्षा सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें कृषि एवं सहकारिता विभाग के अधिकारियों ने किसानों को आधुनिक एवं उन्नत खेती की तकनीकों की जानकारी दी। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसानों ने भाग लेकर कृषि संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अपर जिला सहायक अधिकारी सहकारिता इटावा सदर राकेश कुमार रहे। वहीं सहायक विकास अधिकारी (कृषि) ब्लॉक जसवंतनगर सुरेंद्र सिंह, क्षेत्रीय अधिकारी कृभको इटावा राजीव कुमार तथा ग्राम प्रधान अजनौरा मनोज कुमार विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। सम्मेलन में ग्राम अजनौरा के लगभग 70 किसानों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम के दौरान किसानों को कृभको के विभिन्न कृषि उत्पादों की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही मृदा नमूना लेने की सही विधि, मृदा स्वास्थ्य कार्ड के महत्व तथा प्राकृतिक खेती अपनाने के लाभों पर विस्तार से चर्चा की गई। अधिकारियों ने किसानों से वैज्ञानिक पद्धति से खेती करने, संतुलित उर्वरक उपयोग करने तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण पर विशेष ध्यान देने की अपील की। सम्मेलन को किसानों के लिए उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक बताया गया।

त्योहारों के मद्देनजर एसपी ने पुखरायां कस्बा व रेलवे स्टेशन पर किया पैदल गश्त

मोर्निंग सिटी संवाददाता

भोगनीपुर (कानपुर देहात)। आगामी होली व रमजान त्योहारों को देखते हुए जनपद में सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ करने के लिए पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेन्द्र पाण्डेय ने शनिवार को थाना भोगनीपुर क्षेत्र के पुखरायां कस्बा एवं पुखरायां रेलवे स्टेशन परिसर में पुलिस बल के साथ पैदल गश्त किया।

इस दौरान पुलिस अधीक्षक ने बाजार क्षेत्र में भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और पुलिस कर्मियों को सतर्क रहकर ड्यूटी करने के निर्देश दिए। गश्त का उद्देश्य कानून-व्यवस्था बनाए रखना, नागरिकों में सुरक्षा की भावना मजबूत करना तथा पुलिस की सक्रिय उपस्थिति सुनिश्चित करना रहा। पुलिस अधीक्षक ने आमजन से होली और रमजान के त्योहार शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने की अपील करते हुए कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करने का आह्वान किया।

इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक राजेश पाण्डेय, क्षेत्राधिकारी भोगनीपुर संजय वर्मा, प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार सिंह सहित पुलिस विभाग के अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

37 किलो गांजा के साथ दो युवक व एक महिला गिरफ्तार

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अकबरपुर (कानपुर देहात)। अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना अकबरपुर पुलिस ने दो युवकों व एक महिला को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 37 किलो 40 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया है।

पुलिस के अनुसार संदिग्ध व्यक्ति, वाहन व वस्तुओं की चेकिंग के दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि बारा जोड़ पुल के पास बने बस स्टैंड पर दो युवक व एक महिला गांजा बेचने की फिराक में हैं। सूचना पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर शनिवार सुबह करीब 8:30 बजे तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान आरोपियों के पास से 37 किलो 40 ग्राम गांजा बरामद हुआ। बरामदगी के आधार पर थाना अकबरपुर में मुकदमा संख्या 79/2026 धारा 08/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान लवकुश चौहान (23) पुत्र पप्पू सिंह निवासी ग्राम रठे थाना किशनी जनपद मैनपुरी, बादल सिंह (24) पुत्र जगदीश सिंह निवासी ग्राम रठे थाना किशनी जनपद मैनपुरी तथा सुधा (35) पत्नी स्व. हरीओम सिंह निवासी मोहल्ला शाहीसराय, कस्बा फरह थाना फरह जनपद मथुरा के रूप में हुई है। पुलिस ने सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश किया। कार्रवाई करने वाली टीम में चौकी प्रभारी लालपुर उपनिरीक्षक धर्मेंद्र सिंह, चौकी प्रभारी बारा उपनिरीक्षक सुरजीत सिंह, उपनिरीक्षक नीरज शर्मा, हेड कांस्टेबल सनवेद सिंह, हेड कांस्टेबल अनिल कुमार, कांस्टेबल विवेक दांगी, कांस्टेबल बृजमोहन तथा महिला कांस्टेबल सुनैना पाल शामिल रहीं।

ऑपरेशन सिंदूर पर फिल्म बनाने की अफवाहों पर विवेक अग्निहोत्री ने तोड़ी चुप्पी

फिल्म 'कश्मीर फाइल्स' फेम निर्देशक विवेक अग्निहोत्री को लेकर ऐसी चर्चा है कि वे पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारतीय सशस्त्र बलों की तरफ से पाकिस्तान के खिलाफ चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर पर आधारित फिल्म बनाने की तैयारी में हैं। ऐसी अफवाहों पर विवेक अग्निहोत्री ने चुप्पी तोड़ी है।

पहलगाम में 22 अप्रैल 2025 आतंकी हमला हुआ था इसके बाद भारतीय सेना की तरफ से ऑपरेशन सिंदूर चलाया गया, जिसके तहत पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया गया था। कई मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि विवेक, टी-सीरीज के साथ मिलकर ऑपरेशन सिंदूर पर फिल्म बनाने वाले हैं। वहीं, इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, एक बातचीत में विवेक अग्निहोत्री ने इस टॉपिक पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा है कि वे एक बड़े नेशनलिस्टिक प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं। हालांकि, उन्होंने और डिटेल्स बताने से मना कर दिया।

विवेक अग्निहोत्री ने ऑपरेशन सिंदूर पर आधारित फिल्म बनाने संबंधी रिपोर्ट्स की पुष्टि करने या खारिज करने से मना करते हुए कहा, 'मैं किसी का नाम नहीं बता रहा हूं। मैं कह रहा हूं कि मैं एक बड़े नेशनलिस्टिक प्रोजेक्ट पर काम कर रहा हूं और मैं अपने समय पर इसका एलान करूंगा। यह बहुत बड़ा और बहुत ही दिलचस्प प्रोजेक्ट है।

अफवाहों को न खारिज किया, न ही पुष्टि की

पिंकविला के मुताबिक, प्रोडक्शन हाउस के करीबी सूत्रों ने बताया, 'भूषण कुमार और विवेक अग्निहोत्री ने अपनी अगली फिल्म 'ऑपरेशन सिंदूर' के लिए हाथ मिलाया है। इसे टी-सीरीज और आई एम बुद्धा प्रोडक्शन के बैनर तले बनाया जाएगा। विवेक अग्निहोत्री इसके निर्देशन की जिम्मेदारी संभालेंगे। हालांकि, विवेक अग्निहोत्री से जब इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने स्पष्ट रूप से कुछ नहीं बताया। उन्होंने न ही पुष्टि की, न ही खारिज किया। हालांकि, देखना दिलचस्प होगा कि निर्देशक ने अपने जिस अगले प्रोजेक्ट की बात की है, क्या वह इसी मुद्दे पर है या किसी और विषय पर फिल्म बना रहे हैं।

मृणाल ठाकुर के एक्स बॉयफ्रेंड को थी इन एक्टर्स से इनसिक्योरिटी

मृणाल ठाकुर और सिद्धांत चतुर्वेदी यूट्यूब पर रौनक रजनी के शो में अपनी आने वाली फिल्म दो दिवाने सहर में के प्रमोशन के लिए पहुंचे थे। इस बीच मृणाल ने शेयर किया कि उनका एक्स-बॉयफ्रेंड उनके को-एक्टर्स को लेकर कितना इनसिक्योर था।

इनसिक्योरिटी पर बोलीं मृणाल

अभिनेत्री मृणाल ठाकुर से जब पूछा गया कि क्या वे खुद को एक इनसिक्योर मानती हैं या नहीं। तब, उन्होंने स्वीकार किया कि कभी-कभी उन्हें इनसिक्योरिटी होती है और इसके लिए उन्होंने अपने एक्स-बॉयफ्रेंड से जुड़ी एक कहानी शेयर की। मृणाल ने कहा, 'करियर के शुरुआती दिनों में, मैं ऋतिक रोशन के साथ 'सुपर 30' और शाहिद कपूर के साथ 'जर्सी' की शूटिंग कर रही थी। जो मेरा बॉयफ्रेंड था, उसे लगता था कि मैं अच्छे दिखने वाले एक्टर्स के साथ शूटिंग कर रही हूं और घूम रही हूं। इस वजह से उसे इनसिक्योरिटी होने लगी। उसने वर्कआउट करना शुरू कर दिया और 15-17 किलो वजन घटाकर मसल्स बनाए। लेकिन कुछ दिनों बाद, उसने वर्कआउट बंद कर दिया। फिर खाकर 20 किलो बढ़ा लिया। मेरे बॉयफ्रेंड ने कहा कि मैं थक गया हूं तुम्हारे एक्टर्स की बराबरी करने की वजह से। लेकिन असल में मैंने कभी उससे वजन घटाने को नहीं कहा। यह उसकी इनसिक्योरिटी थी, इससे मेरा कुछ लेना-देना नहीं था।

इस फिल्म में नजर आएंगी एक्ट्रेस

मृणाल ठाकुर जल्द ही 'दो दीवाने सहर में' नजर आने वाली हैं। यह एक रोमांटिक ड्रामा है। इसमें वे सिद्धांत चतुर्वेदी के साथ रोमांस करती नजर आएंगी। रवि उदयवार के निर्देशन में बनी यह फिल्म 20 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसके निर्माता संजय लीला भंसाली हैं।

'अक्यूज्ड' के ट्रेलर में दिखा प्रतिभा रांटा का दमदार अंदाज

इस महीने की शुरुआत में नेटफ्लिक्स ने इस साल आने वाले अपने प्रोजेक्ट्स की घोषणा की थी। इसमें एक नाम शामिल था नेटफ्लिक्स की फिल्म 'अक्यूज्ड' का। कोंकणा सेन शर्मा और प्रतिभा रांटा स्टारर इस फिल्म का ट्रेलर आज रिलीज हो गया है। यह एक सस्पेंस-थ्रिलर ड्रामा है।

'अक्यूज्ड' पोलैंड में सेट सस्पेंस ड्रामा है। कहानी के केंद्र में हैं डॉ. गीतिका (कोंकणा सेन शर्मा), जो एक जाने-माने हॉस्पिटल में सबसे कम उम्र की हेड ऑफ डिपार्टमेंट के तौर पर काम कर रही हैं। डॉ. गीतिका एक मशहूर एलजीबीटीक्यू गायनेकोलॉजिस्ट हैं। वह डीन बनने की तैयारी कर रही हैं। गीतिका अपनी लेस्बियन पार्टनर मीरा (प्रतिभा रांटा) के साथ मिलकर एक बच्चे को एडॉप्ट करने की प्लानिंग करती हैं। लेकिन तभी सोशल मीडिया पर उन्हें ट्रोल किया जाता है। डॉ. गीतिका पर यौन दुराचार के गंभीर आरोप लगते हैं। उन्हें काफी कुछ कहा जाता है। इससे डॉ. गीतिका की जिंदगी और करियर, दोनों में भूचाल आ जाता है। जनता और अधिकारियों का शक बढ़ता है और सच्चाई धुंधली होती जाती है। इसके पीछे कौन है और क्या वजह है, ये फिल्म देखने पर पता चलेगा।

इस सस्पेंस-थ्रिलर फिल्म को अनुराग कश्यप की बहन अनुभूति कश्यप ने डायरेक्ट किया है। वो इससे पहले आयुष्मान खुराना की 'डॉक्टर जी' का भी निर्देशन कर चुकी हैं। वहीं करण जौहर के डिजिटल प्रोडक्शन हाउस धर्माटिक एंटरटेनमेंट के बैनर तले फिल्म का निर्माण किया गया है। फिल्म की कहानी भी अनुभूति कश्यप ने ही लिखी है। फिल्म में कोंकणा सेन शर्मा और प्रतिभा रांटा के अलावा आदित्य नंदा और सुकांत गोयल भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। 'अक्यूज्ड' 27 फरवरी को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

'नागिन 7' में अपनी डायलॉग डिलीवरी को लेकर ट्रोल हुईं प्रियंका चाहर चौधरी

प्रियंका चाहर चौधरी निर्माता एकता कपूर के सीरियल 'नागिन 7' में मुख्य भूमिका में टीवी पर वापस आई हैं। शुरू में लोगों ने उनकी एक्टिंग और 'नागिन' के लुक की काफी तारीफ की थी। लेकिन हाल ही में शो का एक सीन वायरल हुआ है, जिसमें प्रियंका के डायलॉग डिलीवरी पर नेटिजन्स सवाल उठा रहे हैं।

डायलॉग डिलीवरी को लेकर ट्रोल हुई प्रियंका

'नागिन 7' में एक सीन में प्रियंका चाहर चौधरी 'नागिन' के रूप में एक भ्रष्ट पुलिस वाले को पीटते हुए उसकी गलतियां गिनाती हैं। यह एक लंबा संवाद वाला सीन है। इस सीन को देखने के बाद कई दर्शक निराश हो गए और सोशल मीडिया पर प्रियंका की डायलॉग बोलने की स्टाइल की कड़ी आलोचना कर रहे हैं।

मैं कभी बॉलीवुड नहीं छोड़ना चाहती थी

एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा दुनियाभर में मशहूर हैं। उन्होंने बॉलीवुड और हॉलीवुड दोनों में काम किया है और अपने करियर में कई शानदार फिल्में की हैं। अपने करियर के पीक समय में उन्होंने बॉलीवुड छोड़ दिया था और हॉलीवुड का रुख किया था। लेकिन अब प्रियंका चोपड़ा ने बड़ा खुलासा करते हुए कहा कि वे कभी बॉलीवुड छोड़ना नहीं चाहती थीं, लेकिन परिस्थितियों ने उन्हें हिंदी सिनेमा से बाहर मौके तलाशने के लिए 'पुश' किया।'

बॉलीवुड से हॉलीवुड तक के अपने सफर पर बात करते हुए प्रियंका चोपड़ा ने खुलकर अपनी दिल की बात शेयर की। प्रियंका ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि मैं कभी बॉलीवुड छोड़ना चाहती थी। लेकिन जब मैं हिंदी फिल्मों में काम कर रही थी, तो कई वजहों से खुद को थोड़ा सीमित महसूस करती थी। मैं अपने काम का दायरा बढ़ाना चाहती थी। एक कलाकार के तौर पर मैं कुछ नया और रोमांचक करना चाहती थी। इसी सोच ने मुझे दूसरे मौके तलाशने के लिए प्रेरित किया।' उन्होंने आगे कहा, 'इसी तलाश ने मुझे अमेरिका पहुंचाया। अब करीब 12 साल बाद मुझे ऐसा लग रहा है कि मैं उस मुकाम पर हूं, जहां मैं अपने मनपसंद और बेहतरीन प्रोजेक्ट्स चुन सकती हूं। लेकिन यह सफर बिल्कुल आसान नहीं था।'

मुझे दोनों इंडस्ट्री में काम करना पसंद है

उन्होंने आगे कहा, 'मुझे मेरी इंडियन फिल्मों से प्यार है। मैं बहुत खुश हूं कि वापस भारत में आकर वाराणसी फिल्म के लिए काम कर रही हूं। मैं कभी भी इन दोनों में से किसी एक को चुनना नहीं चाहूंगी। मैंने कभी ऐसा किया भी नहीं। मुझे लगता है कि मैं दोनों इंडस्ट्री के बीच संतुलन बनाकर चलती हूं और मुझे दोनों इंडस्ट्री में काम करना पसंद है। दोनों जगह काम करने का तरीका कई मायनों में अलग है, ठीक वैसे ही जैसे उनकी संस्कृतियां अलग होती हैं। लेकिन अब मेरा दिमाग दोनों तरीकों से सोचने का आदी हो चुका है। यह अपने आप में एक अनोखा, शानदार और मजेदार अनुभव है।'

अस्सी की कहानी का मूल विचार समाचार पत्रों की सुर्खियों से प्रेरित है

अनुभव सिन्हा की 'अस्सी' आज सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। देश में होने वाली दुष्कर्म की घटनाओं पर आधारित यह फिल्म अपनी घोषणा के बाद से ही चर्चाओं में हैं। हालांकि, जब इस फिल्म की घोषणा हुई थी, तो लोगों को लगा था कि अनुभव सिन्हा अपने गृहनगर वाराणसी के अस्सी घाट की कहानी लेकर आ रहे हैं। लेकिन जल्द ही पता चल गया कि कहानी एक संवेदनशील और जरूरी मुद्दे पर आधारित है। फिल्म को लेकर निर्देशक का कहना है कि कहानी का मूल विचार समाचार पत्रों की सुर्खियों से ही प्रेरित है।

लोगों को अब अपराध की गंभीरता से फर्क नहीं पड़ता

बातचीत में अनुभव सिन्हा ने फिल्म को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि हमारे चारों ओर सूचनाओं की भरमार के कारण, दर्शकों को किसी अपराध की गंभीरता का एहसास कराना कठिन होता जा रहा है। फिर चाहे वह बलात्कार जैसा जघन्य अपराध ही क्यों न हो। अब यह उतना मायने नहीं रखता कि आपकी आंखों के सामने क्या है, बल्कि यह मायने रखता है कि क्या आकर्षक है। आप उससे विचलित हो जाते हैं। इसलिए यह कोई गपशप या सनसनीखेज कहानी हो सकती है, क्योंकि यह अब सनसनीखेज नहीं रह गई है।

बॉक्स ऑफिस नंबर्स गपशप का विषय

बॉक्स ऑफिस नंबर्स और क्रिटिक्स की रेटिंग को लेकर निर्देशक का कहना है कि बॉक्स ऑफिस कलेक्शन और समीक्षाओं में स्टार रेटिंग जैसी मामूली बातें भी चर्चा को एक संख्या तक सीमित कर देती हैं। जबकि असल मुद्दा चिंता का विषय होना चाहिए। ये आंकड़े गपशप का अच्छा जरिया हैं। मुझे उम्मीद है कि दर्शक इसे समझ रहे होंगे। उन्हें यह समझ नहीं आता कि दुनिया भर में कुल कमाई, भारत में कुल कमाई और भारत में शुद्ध कमाई क्या होती है। उन्हें यह नहीं पता कि निर्माता को बताई गई रकम का 50% से भी कम मिलता है। 400 करोड़ रुपये, 700 करोड़ रुपये और 800 करोड़ रुपये जैसे आंकड़े तो बहुत ही महत्वाकांक्षी लगते हैं। लेकिन मुझे उम्मीद है कि दर्शक इन आंकड़ों को गंभीरता से नहीं लेंगे। अगर मैं कर सकता तो मैं अपने आंकड़े घोषित नहीं करता, चाहे वे कितने भी अच्छे या बुरे क्यों न हों। लेकिन मैं इसे नहीं रोक सकता।

कोर्टरूम के अंदर के माहौल से असल में हुआ वाकिफ

कोर्टरूम को लेकर अनुभव ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट में मेरी दो वरिष्ठ महिला वकील दोस्त हैं। हमने उन्हें कहानी सुनाई। उन्होंने कहा, 'आप लोग इतनी गंदी कोर्ट शूटिंग करते हो। आपने कभी कोर्ट देखी है?' मैंने कहा, 'जी हां, सुप्रीम कोर्ट।' तो उन्होंने कहा, 'इसीलिए! आपने वो शांत, परिष्कृत कोर्टरूम देखा है जहां हर कोई चुपचाप सुनता रहता है। लेकिन फिल्म का मामला उस कोर्ट में नहीं जाएगा। अगले ही दिन मैंने नई दिल्ली के पटियाला हाउस कोर्ट का दौरा किया और वहां का नजारा देखकर दंग रह गया। मुझे एहसास हुआ कि मैंने फिल्म 'मुल्क' के कोर्टरूम सीन गलत तरीके से फिल्माए थे। यह कोर्टरूम बहुत भीड़भाड़ वाला और अव्यवस्थित है। मुझे कोर्टरूम की यह शीतलता बहुत पसंद आई। कोर्टरूम अपने काम में इतना मशगूल रहता है जबकि आपका जीवन इस पर निर्भर करता है।

छोटे शहरों में भी देखी जाती हैं 'अस्सी' जैसी फिल्में

अनुभव सिन्हा का मानना है कि वो इस धारणा को तोड़ देंगे कि 'अस्सी' जैसी फिल्में जनता के लिए नहीं होती हैं। उन्होंने अपने जमीनी स्तर के अभियान 'चल सिनेमा चलें' के तहत भारत के 40 दूसरे दर्जे के शहरों का दौरा किया है। उनका कहना है कि यह एक गलत धारणा है। उन्होंने कहा कि अब मैं कह सकता हूं कि दूसरे दर्जे के शहरों में इस तरह की फिल्में नहीं देखी जातीं। वे सिर्फ जवान या कांतारा जैसी फिल्में देखते हैं। बेशक उन्हें वो फिल्में ज्यादा पसंद आती हैं। लेकिन इन फिल्मों में भी उनकी काफी दिलचस्पी है। दिक्कत ये थी कि हम उन्हें सही तरीके से फिल्म नहीं दिखा पा रहे थे। इसलिए इस बार मेरा पूरा अभियान घर-घर जाकर प्रचार करने पर केंद्रित है। पिछले दो महीनों से हम छोटे शहरों में फिल्म का प्रचार कर रहे हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं प्रधान संपादक- सुशील कुमार सिंह (मोबाइल न. 8077588101), एन-30 ऑफसेट रघुनाथपुर सेक्टर-22, नोएडा उत्तर प्रदेश से छपवाकर हाउस न.. - 52 , ग्रीनवुड -2 , सेक्टर-ओमेगा-1, ग्रेटर नोएडा, 201308 से प्रकाशित। (RNI No. UPHIN/2015/60949) (समस्त विवादों के लिए न्यायिक क्षेत्र गौतमबुद्धनगर होगा) प्रकाशिक सामग्री या विज्ञापन में संपादक / प्रकाशक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। इससे संबंधित किसी भी प्रकार की कार्यवाही या पूछताछ प्रकाशन तिथि से तीन माह के अंदर की जा सकती है। ई-मेल-noida.morningcity@gmail.com।